वर्ष: 7- अंक: 169, मुंबई, मंगलवार, 29 अगस्त, 2017 , मूल्य:1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

बिना टिकट यात्रियों से परे ने वसूला छह करोड़ रुपए दंड

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

गोवा में दोंनो सीटों पर बीजेपी का कब्जा, पर्रिकर चुनाव जीते

(समाचार पृष्ठ 5 पर)

दिल्ली की बवाना सीट पर आप का कब्जा

(समाचार पृष्ठ 6-7 पर)

रेपिस्ट राम रहीम को उम्रकैद से भी बड़ी सजा

20 साल जेल

सजा के साथ राम रहीम पर 30 लाख का जुमार्ना भी

दोनों पीड़िताओं को मिलेंगे 14-14 लाख

रोहतक। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह के लिए सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने सजा का ऐलान कर दिया है। उनको 20 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। रेप को दो मामलों में उनको 10-10 साल की जेल की सजा मिली है। इसके साथ ही 15-15 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है, जो पीड़िता को दिया जाएगा। इस तरह राम रहीम को उसकी करतूतों के लिए उम्रकैद से भी बड़ी सजा मिली है। उम्रकैद में सामान्यत: दोषी को 14 साल के लिए जेल भेजा जाता है। रोहतक जेल के अंदर बने कोर्ट रूम में सजा पर बहस पूरी होने के बाद राम रहीम जज के सामने रहम की भीख मांगने लगा था। (शेष पृष्ठ 5 पर)

जज के सामने रोने लगा डेरा प्रमुख

जज जगदीप सिंह के कोर्ट रूम में पहुंचते ही कार्यवाही शुरू कर दी गई। दोनों पक्षों के वकील ने जज के सामने अपना-अपना पक्ष रखा। इस दौरान बाबा रहीम चुपचाप खड़ा रहा। दोनों वकीलों की दलील सुनता रहा। सुनवाई के दौरान राम रहीम के आंसू निकल आए। वह खूब रोया। रोते हुए राम रहीम ने जज से माफी भी मांगी।

चीन पर भारत की कूटनीतिक जीत

नई दिल्ली। भारत और चीन डोकलाम से अपने-अपने जवानों को पीछे हटाने पर राजी हो गए हैं। विदेश मंत्रालय के सोमवार को सामने आए बयान से यही संकेत मिले। बयान के मुताबिक, हाल ही के हफ्तों में भारत-चीन ने डोकलाम मुद्दे पर डिप्लोमैटिक कम्युनिकेशन बनाए रखा। इस दौरान दोनों देशों ने एकदूसरे की चिंताओं और आपसी हितों की बात की। इसी बुनियाद पर डोकलाम से जवानों का डिसइंगेजमेंट करने पर रजामंदी बनी। यह प्रॉसेस जारी है। इस बीच सोर्सेस ने बताया कि चीन ने बॉर्डर से रोड बनाने के इक्विपमेंट और बुलडोजर्स हटा लिए हैं। बता दें कि दोनों देशों के बीच जून से विवाद था और अब 72 दिनों बाद ये मसला हल हो चुका है। मोदी को अगले हफ्ते ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेने के लिए बीजिंग (3 से 5 सितंबर) जाना है। अगर वो इस विवाद की वजह से वहां नहीं जाते तो ये चीन को ग्लोबल लेवल पर बड़ा नुकसान माना जाता।

क्यूब लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर में नशे में डूबती युवा पीढ़ी

अजोय मेहता
मनपा आयुक्त

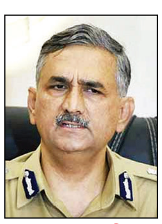

दत्तात्रय पडसलगिकर
मुं. पुलिस कमिश्नर

मनपा आयुक्त अजोय मेहता और मुंबई पुलिस आयुक्त दत्तात्रय पडसलगिकर से अपील है कि वे खुद स्टार बाजार मॉल और इसके टेरिस पर चल रहे क्यूब लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर के गैर कानूनी कामों को देखें और इसपर अविलंब सख्त कार्रवाई करने का आदेश जारी करें। नहीं तो यहां भी घाटकोपर हादसे जैसी दुर्घटना हो सकती है। क्योंकि क्यूब हुक्का पार्लर पर ओवरलोडिंग के कारण यह बिल्डिंग काफी खतरनाक हो चुकी है।

अंधेरी पश्चिम का स्टार बाजार मॉल पर कब पड़ेगी मनपा अधिकारियों की नजर

मुंबई। अंधेरी पश्चिम स्थित स्टार बाजार मॉल के टेरिस पर चल रहे क्यूब लांज एंड क्लब के हुक्का पार्लर की वजह से एक तरफ देश की युवा पीढ़ी नशे के गर्त में डूबती चली जा रही है तो दूसरी तरफ इस मॉल की खतरनाक स्थिति के कारण लोगों की जिंदगी खतरे में पड़ गई है। लेकिन मनपा के/वेस्ट वार्ड के तमाम अधिकारी स्टार बाजार मॉल और इसके टेरिस पर चल रहे क्यूब हुक्का पार्लर की तरफ से आंखे बंद किये हुए हैं।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

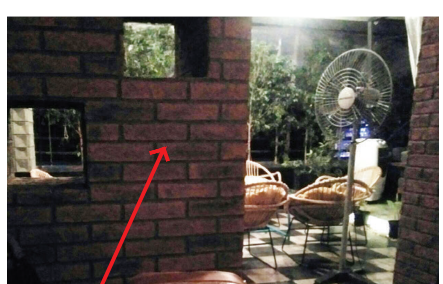

टेरिस पर बने अवैध हुक्का पार्लर की वजनदार दीवार

स्टार बाजार मॉल की टेरिस पर बना अवैध क्यूब लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

भारी बारिश के बीच हाई टाइड की आशंका से मुंबई ग्रस्त

मुंबई। सोमवार सुबह से हो रही बारिश के बीच इंडियन मौसम विभाग (आईएमडी) ने मुंबई में हाई टाइड और भारी बारिश की चेतावनी दी है। आईएमडी के मुताबिक, मुंबई के समुद्र में तकरीबन शाम चार बजे 3.60 मीटर का हाई टाइड आ सकता है। मुंबई के अलावा साउथ गुजरात, कोंकण और गोवा, कोस्टल कर्नाटक और केरला में भारी बारिश जारी है। मुंबई मौसम विभाग ने पिछले 24 घंटे के दौरान (रविवार सुबह 8 बजे से सोमवार सुबह 8 बजे के बीच) वर्ली में 102 मिलीमीटर, विक्रोली में 111.96, भांडुप में 90.63 और भायखला में 78.21 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की है।

मौसम विभाग के मुताबिक, मुंबई में 29 अगस्त को भी भारी बारिश हो सकती है। हाई टाइड के मद्देनजर प्रशासन ने मरीन ड्राइव समेत तमाम समुद्री इलाके में अलर्ट घोषित कर दिया है। जो लोग टाइड का लुत्फ उठाने किनारे खड़े हैं उन्हें लगातार हटने के लिए निर्देशित किया जा रहा है।

मेरी स्थिति आडवाणी जैसी: एकनाथ खडसे

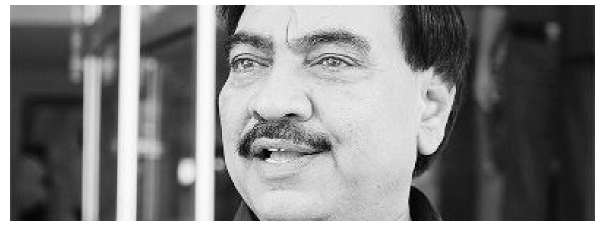

मुंबई। पिछले साल भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर इस्तीफा देने वाले महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एवं बीजेपी नेता एकनाथ खडसे ने कहा है कि उनकी स्थिति लाल कृष्ण आडवाणी जैसी है। अपने गृह नगर जलगांव में पार्टी की स्थानीय ईकाई के एक कार्यक्रम में खडसे ने कहा, 'मुझे लगता है कि बीजेपी में मेरी स्थिति हमारे राष्ट्रीय नेता लाल कृष्ण आडवाणी जैसी है।' वरिष्ठ लोग सिर्फ दिशानिर्देश देने के लिए हैं जबकि नए लोगों (नेताओं) को काम करने का अवसर मिलेगा। उनके ऐसा कहने पर उनके समर्थकों ने नारेबाजी की और मांग की कि जिला इकाई यह प्रस्ताव पारित करे कि खडसे को राज्य कैबिनेट में बहाल किया जाए। उन्होंने कहा, 'मैंने कई साल पार्टी के लिए काम किया है और पार्टी को फलने फूलने में मदद की। आडवाणी ने राष्ट्रीय स्तर पर यही किया। लेकिन अब हम (यह परिपाटी) देख रहे हैं कि वरिष्ठ लोगों को दिशानिर्देश देना चाहिए जबकि नये लोगों को मौका मिलना चाहिए।' वहां जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि हर कोई चाहता है कि खडसे कैबिनेट में आए लेकिन अदालत में उनके खिलाफ मामला चल रहा है। इसलिए हमें कुछ इंतजार करना होगा। गौरतलब है कि खडसे ने पिछले साल मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। वह देवेंद्र फडणवीस सरकार नीत सरकार के सबसे वरिष्ठ सदस्य थे। उन पर अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करते हुए पुणे के पास अवैध रूप से जमीन खरीदने का आरोप लगा था।

मुस्लिम बच्चों ने जेब खर्च बचाकर मनाया गणेशोत्सव

मुंबई। मौजूदा समय में जहां देश में राजनीतिक पार्टियां और कुछ कट्टरवादी नेता धर्म, जाति और भाषा विरोधी बयानबाजी कर लोगों के बीच अलगाव और नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं, वहीं कुछ लोग सांप्रदायिक सद्भाव और आपसी भाईचारा बुलंद कर रहे हैं। इसका सबूत घाटकोपर के रामनगर और नालासोपारा के हनुमान नगर में रहने वाले बच्चों ने गणपति उत्सव मनाकर दिया है। रामनगर में रहने वाले छात्र अंकित पांडेय (11वीं), रॉनित तिवारी (11वीं), परेश यादव (10वीं), ऋषि यादव (8वीं), रमन सिंह (6ठी) और रुद्र सिंह (6ठी) ने 'जेब खर्च' बचाकर इस वर्ष पांच दिवसीय गणेशोत्सव का आयोजन किया। कार्यक्रम के बारे में बच्चों ने अभिभावकों को भी नहीं बताया कि उन्होंने पूजा करने के लिए एक साल से 'जेब खर्च' बचाकर रखे हैं। 25 अगस्त को जब इन बच्चों ने सोसायटी में गणपति बिठाया, तो हमलोग चौंक गए। हालांकि इन लोगों ने पिछले साल भी खुद के पैसों से गणेशोत्सव मनाया था। नालासोपारा के हनुमान नगर स्थित मंगल प्लाजा परिसर के शिवशक्ति दर्शन सोसायटी के बच्चों ने भी डेढ़ दिन का गणपति बैठाया। खास बात यह रही कि गणेश पूजा करने वाले अधिकांश बच्चे मुस्लिम समाज के हैं। इस बार पूजा-अर्चना को सुजल, अल्तमश, अरमान,

बाबू, जीशान, उसामा, जैद, अल्फाज और अली नामक मुस्लिम बच्चों के अलावा आदित्य, किरन, छोटू शुक्ला और सुमित सिंह नामक छात्र ने संपन्न किया। सभी बच्चे 10 से 13 साल के हैं और इन्होंने बचाए 'जेब खर्च' और कुछ सोसायटियों से मिले चंदे को जमा कर गणेश पूजा की। समाजसेवक कमल झा बताते हैं कि ये बच्चे पूरे हर्षोल्लास के साथ मिल-जुलकर पर्व-त्योहार मनाते हैं। इन बच्चों द्वारा मनाया गया गणेशोत्सव हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल बनकर इलाके में चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

हादसा होने की राह ताक रही है म्हाडा

9 जर्जर इमारतों को अबतक नहीं करा सकी खाली

मुंबई। म्हाडा ने 26 मई को उपकर प्राप्त इमारतों में से 9 इमारतों को जर्जर घोषित किया था, जिसे 7 दिन के भीतर खाली करने का आश्वासन दिया गया था। 4 महीने बीत चुके हैं, लेकिन म्हाडा जर्जर इमारतों को खाली नहीं करा पाई है। अब अपनी नाकामी पर पर्दा डालने के लिए म्हाडा अधिकारी रहिवासियों पर इमारत न खाली करने का ठीकरा फोड़ रहे हैं। बारिश के समय अक्सर देखा गया है कि जर्जर इमारतें जमींदोज हो जाती हैं। इन जर्जर इमारतों में सैकड़ों लोग रहते हैं, जिन पर बारिश के मौसम में मौत का खतरा हमेशा बना रहता है। यदि जल्द ही कुछ नहीं किया गया, तो किसी भी वक्त बड़ा हादसा हो सकता है। पिछले

40 दिनों में तीन इमारतें जमींदोज हुई हैं। इसकी चपेट में आने से 18 की मौत हो चुकी है। बिजली-पानी काटने के बाद भी नहीं कर रहे खाली म्हाडा के रिपेयर बोर्ड के अधिकारी ने बताया कि इन 9 इमारतों में लगभग 50 प्रतिशत लोगों ने म्हाडा ट्रांजिट कैंप जाना मंजूर नहीं किया और किराए पर घर लेकर अपना इंतजाम कर लिया है। एक इमारत का मामला उच्च न्यायालय में है, जिससे इमारत खाली नहीं हो पा रही है। अधिकारी ने बताया कि इन इमारतों की बिजली-पानी के कनेक्शन काट दिए गए हैं, बावजूद इसके निवासी इमारत नहीं खाली कर रहे हैं।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस, मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301, इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड, मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

राज्य सरकार ने हाई कोर्ट जज के खिलाफ पक्षपात के आरोप को लिया वापस

मुंबई। ध्वनि प्रदूषण मामले में महाराष्ट्र सरकार ने जस्टिस अभय ओक के खिलाफ लगाए गए पक्षपात के आरोप को वापस ले लिया है। इस संबंध में बांबे हाई कोर्ट ने सोमवार को सरकार से कहा कि उसे इस पर एक हलफनामे के जरिए 'पश्चाताप' जाहिर करना चाहिए। सरकार ने कहा था कि वह बिना किसी शर्त के जस्टिस ओक के खिलाफ लगाए गए आरोपों को वापस ले रही है। कोर्ट ने सरकार के इस कदम को 'तुच्छ' करार दिया। एडवोकेट जनरल आशुतोष कुंभकोनी ने हाई कोर्ट में दो पेज का एक पत्र सौंपते हुए पूरे मामले में स्पष्टीकरण दिया। कहा कि व्यक्तिगत तौर पर जस्टिस ओक के खिलाफ पक्षपात का आरोप नहीं लगाया गया था। बल्कि यह पूरे मामले से संबंधित था। जस्टिस ओक और रियाज चाग्ला की एक बेंच ने कुंभकोनी के स्पष्टीकरण को स्वीकार किया। मगर कहा कि अगर सरकार माफी मांगना चाहती है तो उसे इसे एक हलफनामे के जरिए ऐसा करना होगा। एडवोकेट जनरल के सिर्फ एक बयान को सरकार की माफी नहीं मानी जाएगी। बेंच ने कहा कि सरकार को इस संबंध में जरूर पश्चाताप जाहिर करना चाहिए।

मुंबई पुलिस हेल्पलाइन पर हर रोज आते हैं 35 हजार ब्लैंक कॉल

मुंबई। मुंबई पुलिस के '100' हेल्पलाइन पर प्रतिदिन करीब 50 हजार फोन कॉल आती हैं, जिसमें से 70 फीसदी या तो ब्लैंक कॉल होती है या फिर मिस्ड कॉल होती है। कॉलर आईडी फंक्शन से नंबर फौरन पता चल जाता है, लेकिन अधिकतर कॉलर गलती से डायल करने की बात कहते हैं। सीनियर अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस को एक मोबाइल नंबर से एक हफ्ते के अंदर करीब 1000 कॉल रिसीव किया गया, लेकिन कॉल करने वाला खामोश रहता है। नंबर को ट्रैक करने पर पता चलता है कि फोन करने वाले के फोन में ही कोई दिक्कत है, जिस वजह से बिना उसे पता चले ही लगातार फोन डायल हो जाता है। एक अन्य कॉलर के बच्चे फोन डायल करते हैं। मलेशिया की तरह भारत में ऐसी हरकत पर सजा का प्रावधान नहीं है। हम यहां केवल चेतावनी दे सकते हैं। मुंबई हेल्पलाइन के लिए 50 ऑपरेटर्स 8 घंटों की दो शिफ्टों में नौकरी करते हैं। ज्यादातर ऑपरेटर राज्य के आंतरिक हिस्सों से आते हैं। हेल्पलाइन कॉलर्स के नामों से डाटाबेस तैयार रखते हैं।

बिना टिकट यात्रियों से परे ने वसूला छह करोड़ रुपए दंड

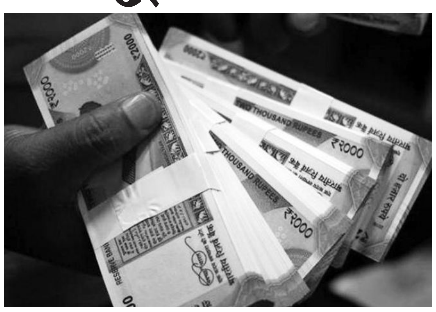

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा जुलाई, 2017 में बिना टिकट /अनियमित टिकट पर यात्रा करने वालों के विरुद्ध सघन अभियान चलाया गया। इसके परिणाम स्वरूप बिना बुक किये गये सामान के प्रकरणों सहित बिना टिकट यात्रा/अनियमित यात्रा के लगभग 1 लाख 76 हजार मामलेपकड़े गये। इन मामलों में 6.9 करोड़ रु. जुमानें स्वरूप प्राप्त किये गये। इसके अतिरिक्त 973 भिखारियों तथा अनधिकृत फेरीवालों को रेल परिसर से बाहर कर जुमार्ना वसूल किया गया तथा 175 व्यक्तियों को जेल भेजा गया।

गौरतलब है कि पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी रविंद्र भाकर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जुलाई, 2017 के दौरान, दलालों तथा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध पश्चिम रेलवे द्वारा 205 जाँचें आयोजित की गईं। इनके परिणामस्वरूप 202 व्यक्तियों को पकड़ा गया तथा रेल अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा चलाकर उनसे जुमार्ना प्राप्त किया गया। जुलाई, 2017 के दौरान, सुरक्षिणी दस्ते द्वारा 12 वर्ष से अधिक उम्र के 300 स्कूली बच्चों को उपनगरीय ट्रेनों के महिला डिब्बों में सफर करते हुए पाया गया, जिन्हें वहाँ से हटायागया। पश्चिम रेलवे द्वारा बिना टिकट यात्रा करने वालों के विरुद्ध नियमित रूप से ऐसे सघन अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाती रही है। अपने अधिकृत रेल उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने तथा बिना टिकट यात्रा में कमी लाने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे द्वारा हमेशा कारगर कदम उठाये जाते रहे हैं। पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बिना टिकट यात्रा के कारण होने वाली राजस्व क्षति तथा इस तरह की अन्य अनियमितताओं पर कड़ी निगरानी रखी जाती है।

ऑफिसों में घुस ऐसे गायब करते थे महंगे लैपटॉप

मुंबई। पालघर पुलिस ने एक ऐसे शख्स को अरेस्ट किया है जो बड़ी-बड़ी कंपनियों में घुसकर लैपटॉप चोरी करता था। इसके द्वारा की चोरी की एक वारदात कैमरे में कैद होने के बाद इसे अरेस्ट किया गया है। मुख्य आरोपी के अलावा पुलिस ने लैपटॉप रिपेरिंग का काम करने वाले एक अन्य शख्स को भी अरेस्ट किया है। पालघर पुलिस के एसपी राज तिलक ने बताया कि, दोनों आरोपी पिछले तीन सालों से चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे थे। लगातार कई बड़ी कंपनियों से ये शिकायतें मिल रहीं थी कि उनके ऑफिस से लैपटॉप की चोरियां हो रहीं हैं। काफी कोशिश के बाद भी पुलिस ये गुत्थी नहीं सुलझा पा रही थी। अचानक एक आईटी कंपनी के ऑफिस में लगे कैमरे में संकेत नाम का एक शख्स लेपटॉप चोरी करते हुए कैद हुआ। पुलिस ने संकेत के साथ उसके एक साथी को भी अरेस्ट किया है। वह लैपटॉप को बाजार में बेचने का काम करता था। जांच में सामने आया है कि, आरोपी महगें लैपटॉप को 5 से 10 हजार में बेच दिया करते थे। इनके पास से चुराए गए 60 लैपटॉप भी पुलिस ने बरामद कर लिए हैं।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें। **(9619102478)**

इमारतों को गिराना समाधान नहीं: हाई कोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने शहर के हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्रों में ऊंचाई संबंधी नियमों के उल्लंघन पर चिंता जताते हुए अधिकारियों को हवाई यात्रियों का जीवन सुरक्षित रखने और उन लोगों की सुरक्षा के बीच चुनाव करने के लिए कहा है, जो इन ऊंची इमारतों में रहते हैं। हालांकि अदालत ने कहा कि ऊंचाई संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वाली इमारतों को ढहाना समस्या का समाधान नहीं है। मुख्य न्यायाधीश मंजुला चेल्लूर और न्यायाधीश एन. एम. जामदार की पीठ ने हवाई अड्डे के पास ऊंचाई संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वाली इमारतों को ढहाने की मांग करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता यशवंत शिनॉय की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की।

सिर्फ 300 रूपए के लिए दो दोस्तों ने मिलकर दोस्त को उतारा मौत के घाट

मुंबई। शहर से सटे पालघर जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां दो दोस्तों ने मिलकर सिर्फ 300 रूपए के लिए, अपने एक दोस्त को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है। पालघर पुलिस ने आरोपी भोला उर्फ रघुनाथ यादव (19) और मलिंगा उर्फ फूलचंद प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना पालघर जिले के वालीव पुलिस थाने के अंतर्गत की है। जानकारी के मुताबिक तीनों दोस्त वसई के कुवर पाड़ा सतिवाली के रहने वाले है। मृतक करण कनोजिया

ने अपने दोस्त भोला से 500 रूपए उधार लिए थे। जिसमे से करण ने भोला को 200 रूपए लौटा दिए थे और बाकी के 300 रूपए कुछ दिनों में वापस कर देने की बात कही थी। काफी दिन बीत जाने के बाद करण ने 300 रूपए नहीं लौटाया तो भोला ने अपने दूसरे दोस्त मलिंगा के साथ मिलकर करण से पैसे मांगने के लिए गया। करण के पास जाने के बाद पैसों को लेकर दोनों में बहस हुई और देखते ही देखते बात हाथापाई में तब्दील हो गई। इसके बाद गुस्साए भोला और मलिंगा ने करण के गले पर चाकू से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। पुलिस की माने तो आरोपी हत्या करने के बाद भागने की फिराक में थे। लेकिन इस हत्या के महज 4 घंटे में वालीव पुलिस ने अपराधियों को धरदबोच लिया।

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरंत संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे) **(9619102478)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

प्रधानमंत्री की चेतावनी

यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में हरियाणा में हुई हिंसा का संज्ञान लेते हुए यह कहा कि आस्था के नाम पर हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी सिलसिले में उनकी ओर से दिया गया यह आश्वासन भी समय की मांग था कि आस्था के नाम पर हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी, लेकिन यह कार्रवाई केवल हरियाणा में हिंसा फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ ही नहीं, बल्कि सभी ऐसे तत्वों के विरुद्ध की जानी चाहिए जो आस्था के नाम पर कानून के शासन की सीमाओं का किसी न किसी रूप में अतिक्रमण करते हैं। चूंकि यह भी देखने में आ रहा है कि हमारे राजनीतिक दल स्वयंभू धर्मगुरुओं से नजदीकी को तैयार रहते हैं इसलिए इन दलों की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि वे खुद को ऐसे धर्मगुरुओं से दूर रखें। कम से कम उनसे तो दूरी स्पष्ट तौर पर दिखनी चाहिए जो तरह-तरह के आरोपों से घिरे होते हैं। यदि राजनीतिक दलों की ओर से ऐसी सावधानी बरती गई होती तो शायद गुरमीत राम रहीम का प्रभाव इतना अधिक नहीं बढ़ा होता। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि भाजपा, कांग्रेस एवं अन्य अनेक राजनीतिक दलों ने समय-समय पर गुरमीत का समर्थन हासिल किया और बदले में उनके प्रति नरमी का प्रदर्शन किया। यह भाजपा नेताओं की नरमी का ही नतीजा रहा कि हरियाणा सरकार गुरमीत के समर्थकों को सिरसा, पंचकूला और अन्य शहरों में एकत्रित होने से रोकने के लिए उपयुक्त कदम नहीं उठा सकी। इसके दुष्परिणाम सबके सामने हैं। अब जब स्वयं प्रधानमंत्री हरियाणा की घटनाओं की निंदा कर रहे हैं तब फिर यह जरूरी हो जाता है कि भाजपा इस धारणा को दूर करे कि वह धार्मिक भावनाओं को भुनाने के लिए तत्पर रहती है। वस्तुतः यह तत्परता ही उसे इस तरह के धर्मगुरुओं के नजदीक ले जाती है। निःसंदेह यह कार्य अन्य राजनीतिक दल भी करते हैं, लेकिन इस मामले में भाजपा कुछ ज्यादा ही आगे दिखती है। कम से कम अब तो उसे जरूरी सबक सीख लेना चाहिए। यह सबक सीखना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि कानून के शासन की महत्ता तभी बढ़ेगी जब किसी को भी कानून के दायरे से बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। यह भी समय की मांग है कि आस्था अंधी आस्था में न बदलने पाए। इसके लिए राजनीतिक दल अपने-अपने स्तर पर सजगता का परिचय दें। राजनीतिक दलों को इस मामले में सक्रिय होने की जरूरत इसलिए भी है, क्योंकि धार्मिक आस्था का दुरुपयोग बढ़ता चला जा रहा है। धर्म धीरे-धीरे प्रदर्शन का माध्यम बनता जा रहा है, जबकि धर्म का मतलब तो व्यक्तिगत आस्था से है। प्रधानमंत्री ने यह सही कहा कि भारत उत्सवों का देश है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं हो सकता कि विभिन्न पर्वों और विशेष रूप से धार्मिक पर्वों के दौरान धार्मिक श्रद्धा का प्रदर्शन सार्वजनिक स्थलों पर किया जाए। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कई बार यह प्रदर्शन एक तरह के शक्ति प्रदर्शन में परिवर्तित होता दिखाई देता है। चूंकि मामला धर्म और आस्था का होता है इसलिए शासन-प्रशासन नरम रवैये का ही परिचय देता है। कई बार यह नरमी कानून के शासन के समक्ष समस्याएं खड़ी करती है।

निजता के अधिकार का दायरा

प्रत्येक मनुष्य अद्वितीय है। उस जैसा दूसरा नहीं। इसलिए प्रत्येक की निजता है। निजता की गरिमा है, लेकिन निजता असीम नहीं है। हमारी निजता का विस्तार दूसरे की निजता की सीमा का अतिक्रमण नहीं कर सकता। सर्वोच्च न्यायपीठ की नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने निजता को संविधान के मौलिक अधिकार अनुच्छेद 21 का भाग बताया है। अदालत का निर्णय स्वागतयोग्य है। इस पर तमाम बुद्धिजीवी बम-बम हैं, लेकिन अनुच्छेद 21 के तहत प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण भी असीम नहीं है। यहां कहा गया है कि किसी व्यक्ति को उसके प्राण या दैहिक स्वतंत्रता से विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार ही वंचित किया जाएगा, अन्यथा नहीं। यहां प्राण और दैहिक स्वतंत्रता पर विधि के बंधन हैं। निजता के मौलिक अधिकार को इसी अनुच्छेद में अंतर्भूत बताया गया है, लेकिन निजता की परिभाषा को लेकर तमाम प्रश्न उठ रहे हैं। खानपान के चयन को इसी तर्ज पर मौलिक अधिकार बताया जा रहा है। मूलभूत प्रश्न है कि क्या गोमांस खाना भी निजता के अधीन मौलिक अधिकार हो गया है? क्या किसी भी जगह शराब पीना भी मौलिक अधिकार हो सकता है? क्या आत्महत्या करना भी निजता के अधीन मौलिक अधिकार होगा? गोसंरक्षण और मद्य निषेध संविधान के नीति निदेशक तत्वों में शामिल हैं। क्या इन्हें निजता के अधिकार में जोड़ने से मौलिक अधिकारों और नीति निदेशक तत्वों में टकराव नहीं होगा?

निजता को सुपरिभाषित किया जाना चाहिए। अच्छा होता कि संविधान पीठ ही इसकी परिभाषा दे देती। अनुच्छेद 21 के मौलिक अधिकार से प्राप्त प्राण और दैहिक स्वतंत्रता को भी विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया से छीना जा सकता है। अनुच्छेद 21 में विश्व प्रसिद्ध मैग्नाकार्टा की ध्वनि है किसी व्यक्ति को देश की विधि (कानून) के अनुसार ही गिरफ्तार, कारावासित, निर्वासित या विनष्ट किया जा सकेगा अन्यथा नहीं। यहां निजता का सम्मान है, लेकिन संविधान और कानून की सर्वोच्चता है। ब्रिटिश संवैधानिक परिपाटी में भी निजता संसदीय सर्वोच्चता के अधीन है। ब्रिटिश संवैधानिक परंपरा के अनुसार संसद में समवेत जनता के प्रतिनिधि ही तय करेंगे कि व्यक्ति के अधिकारों की सीमा क्या है? ऐसे अधिकार सामूहिक हित या राष्ट्र-राज्य की सुरक्षा के हित में समयानुसार मर्यादित किए जाएंगे। इंग्लैंड में मौलिक अधिकार संसद के अधीन हैं और भारत में संसद द्वारा बनाई गई विधि या विधिक प्रक्रिया के अधीन। बहुत लोगों को खुशफहमी है कि इंटरनेट आदि पर निजता से जुड़े तथ्यों के प्रसार से मुक्ति मिलेगी, लेकिन सच ऐसा नहीं है। दरअसल सभी मूल अधिकार राष्ट्र-राज्य के विरुद्ध प्रत्याभूत हैं। वे सत्ता व्यवस्था से व्यक्ति का उत्पीड़न रोकने के प्रभावी रक्षोपाय हैं। उत्पीड़न के विरुद्ध कानून का सहारा ही लेना होता है। ऐसे मामलों में संवैधानिक उपचार नहीं हैं। जीवन प्रकृति की देन है। सर्वोच्च न्यायालय ने ही कहा था कि जीवन के अधिकार का तात्पर्य दीर्घजीवी होने या पाशविक जीवन से अधिक है। इसमें मानवीय गरिमा के साथ जीना सम्मिलित है। गरिमामय जीवन के लिए कोर्ट ने अनुच्छेद 21 से जीविका, स्वास्थ्य, विधिक सहायता, सामाजिक न्याय और आर्थिक सशक्तीकरण व ध्वनि प्रदूषण से रक्षा आदि उपाय निर्धारित किए थे। जीविका, स्वास्थ्य के अधिकारों पर कुछ प्रगति नहीं हुई। इन मामलों पर अदालत भी नहीं जा सकते। ताजा निर्णय निजता का है। बेशक निजता का अपना आनंद है, लेकिन आनंद का स्रोत समाज है। निजता और सामूहिकता की सुंदरता राष्ट्र-राज्य का कर्तव्य है। लोकतंत्र में राष्ट्र-राज्य और विधि की शक्ति का स्रोत जनता है। जैसे व्यक्ति के मौलिक अधिकार हैं और कर्तव्य भी हैं वैसे ही राष्ट्र-राज्य के भी कुछ

मौलिक अधिकार और ढेर सारे कर्तव्य भी हैं। निजता राष्ट्रहित से बड़ी नहीं होती। सर्वोच्च न्यायालय ने भी निजता के अधिकार को असीम नहीं कहा। कोर्ट ने कहा है कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार सहित अन्य मौलिक अधिकारों की तरह निजता का अधिकार भी असीम नहीं है। इस पर भी व्यावहारिक पाबंदियां लगाई जा सकती हैं। पीठ ने निजता की विस्तृत व्याख्या नहीं की है, लेकिन कहा कि इसके मूल में निजी अंतरंगता, पारिवारिक जीवन की पवित्रता, प्रजनन और यौन शामिल हैं। कहा है कि जीवनशैली निजता का मूल तत्व है। असल में निजता की व्यवस्था का मूल आधार संस्कृति और सभ्यता है। भारतीय संस्कृति और सभ्यता का मूल आधार मर्यादा है। यहां अंतरंग प्रीति पर भी मर्यादा के बंधन रहे हैं। आज निजता के तमाम समर्थक स्वयं अपनी निजता को उघाड़ रहे हैं।

खानपान निजता है तो चुनौती देकर बछड़े काटना या बीफ पार्टी देना कैसी निजता है? पार्टी सामूहिक होती है और निजता एकाकी। यह सही है कि हमारा खानपान राज्य नियंत्रित नहीं हो सकता, लेकिन इससे भी ज्यादा यह भी सही है कि भारत में पशु क्रूरता कानून है और कानून का पालन हरेक नागरिक का कर्तव्य है। क्या गर्भपात कराना भी मौलिक अधिकार हो सकता है? निजता को लेकर उत्साहित मित्र हरेक उसी बात से प्रसन्न हैं जिसका संबंध भारतीय संस्कृति के विरोध से है। निजता का विस्तार आश्चर्यजनक है। एकांतप्रियता निःसंदेह निजता है। जीवनशैली का चयन भी निजी विवेक है, लेकिन जीवनशैली का प्रदर्शन लोक व्यवस्था को क्षति पहुंचाए, तब क्या होगा? सिगरेट या शराब पीना भी निजता है, लेकिन इससे शेष समाज की निजता पर आक्रमण क्यों नहीं है? आधार को लेकर तमाम निराधार बातें कही जा रही हैं। आखिर जिम्मेदार नागरिक से विधि निर्वाचित सरकार जरूरी सूचनाएं क्यों नहीं मांग सकती? संविधान निर्माण किसी काल विशेष के लिए नहीं, बल्कि भविष्य के लिए भी किया था। इसीलिए संविधान संशोधन के भी प्रावधान किए थे। कोर्ट ने ही कहा था कि मूल अधिकार संविधान के मूल ढांचे का अंग हैं जिनसे छेड़छाड़ नहीं हो सकती। पहले निजता जैसी कोई समस्या नहीं थी। इंटरनेट जैसे उपकरणों से यह समस्या बढ़ी है, लेकिन निजता को मौलिक अधिकार घोषित किए जाने के बावजूद समस्या का समाधान संभव नहीं दिखाई पड़ता। अदालत ने निष्कर्ष दिया है। सबकी अपनी व्याख्याएं हैं। निजता के असीम विस्तार का प्रभाव पहले से प्रवर्तित तमाम अधिनियमों पर भी भारी पड़ सकता है। भारतीय दंड विधान की धारा 377 भी इस श्रेणी में है। दंड प्रक्रिया संहिता के आधार पर संदिग्ध की खोजबीन में किसी के घर पहुंची पुलिस पर भी निजता के अतिक्रमण का आरोप लग सकता है। संविधान अनुच्छेद 19 के विचार स्वातंत्र्य का उपभोग करता प्रेस अपनी अभिव्यक्ति में निजता के उल्लंघन में फंस सकता है। मौलिक अधिकारों में अनुच्छेद 19 और 21 टकरा सकते हैं। अंतर्विरोध ढेर सारे हैं। इसलिए निजता के अधिकार का विधिक निर्वचन जरूरी हो गया है। अब संसद को इसके प्रयोग और सीमा पर सुविचारित अधिनियमन करना चाहिए। सभी दल अपने राजनीतिक आग्रह छोड़कर इस मौलिक अधिकार के व्यावहारिक परिपालन पर अपना मत व्यक्त करें। निजता का आदर भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा है। बुद्ध ने शील गंध को सभी फूलों की गंध से भी उत्तम बताया था और शील गंध का सीधा अर्थ मर्यादा है।

कटी पतंग सा विपक्ष

पटना के गांधी मैदान में आयोजित राजद की 'भाजपा भगाओ, देश बचाओ' रैली यदि परेशानी से गुजर रहे लालू परिवार का हौसला बढ़ाने और उनके प्रति समर्थन जताने के लिए थी तो इसे बेशक सफल रैली कहा जाएगा। रैली में न सिर्फ 21 दलों के प्रथम या दूसरी पंक्ति के नेता शामिल हुए बल्कि बड़ी संख्या में समर्थकों की जुटान ने भी लालू परिवार को भरोसा दिलाया कि उनके परंपरागत समर्थक आज भी उनके साथ हैं।

बहरहाल, इस रैली का मकसद यदि मिशन-2019 के नजरिए से वृहद विपक्षी एकता का प्लेटफॉर्म तैयार करना था तो आयोजकों को कई सवालों के जवाब देने होंगे। सबसे बड़ा सवाल यह कि इस एका का नेतृत्व कौन करेगा? सोनिया गांधी, जो स्वास्थ्य संबंधी वजहों से अब सार्वजनिक कार्यक्रमों में कम ही दिखती हैं? गुलाम नबी आजाद ने मंच से बताया कि अस्वस्थ रहने की वजह से वह राजद रैली में नहीं आ सकीं। राहुल गांधी, जिनकी नेतृत्व क्षमता पिछले कई चुनावों में परखी जा चुकी और अब पार्टी के भीतर भी इस पर सवाल उठ रहे हैं? खुद लालू प्रसाद, जो अदालती मामलों और पुत्रों को राजनीति में स्थापित करने की कवायद में व्यस्त हैं? शरद यादव, जिन्हें कभी इस कलेवर का नेता नहीं माना गया? ममता बनर्जी, जो सार्वजनिक रूप से कह चुकी हैं कि उन्हें नरेंद्र मोदी से कोई दिक्कत नहीं है। इसी तरह दुविधाग्रस्त कई और नेताओं के नाम लिए जा सकते हैं। मायावती और मुलायम सिंह जैसे नेता पहले ही इस नए मंच से किनारा कर चुके हैं। कल तक नीतीश कुमार जरूर एक संभावनापूर्ण नाम थे जो अब दूसरे पाले में हैं। वास्तव में राजग विरोधी खेमे की सबसे बड़ी समस्या यही है कि उसके पास लोकनायक जयप्रकाश नारायण, विश्वनाथ प्रताप सिंह या ज्योति बसु जैसा कोई नेता नहीं है जो सारे दलों को एक सूत्र में बांधकर देश के सामने एक कारगर एजेंडा पेश कर सके।

नरेंद्र मोदी की चकाचौंध के सामने विपक्ष की नेतृत्वविहीनता न सिर्फ विपक्ष बल्कि चुनावी लोकतंत्र के लिए भी गंभीर संकट है। कौन सत्ता संभालेगा और कौन विपक्ष में बैठेगा, यह जनता तय करेगी लेकिन स्वस्थ लोकतंत्र के लिए विपक्ष की मजबूती उतनी ही जरूरी है जितनी सत्तापक्ष की। विपक्ष को रैलियों के मंच सजाने के बजाय पहले बंद कमरे में बैठकर अपना नेता चुनना चाहिए। कटी पतंगों की कोई मंजिल नहीं होती।

गोवा विधानसभा उपचुनाव: दोंनो सीटों पर बीजेपी का कब्जा, पर्रिकर चुनाव जीते

पणजी। गोवा की पणजी और वालपोई सीट पर हुए उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने दोनों विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज की है। पणजी सीट से सीएम मनोहर पर्रिकर और वालपोई सीट से राज्य के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे चुनाव जीते हैं। बता दें कि गोवा में 23 अगस्त को हुए उपचुनाव में लगभग 75 फीसदी मतदान हुआ था। प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के गिरिश चोडंकर को 4,803 वोटों से पटखनी दी। पर्रिकर को 9,862 वोट मिले जबकि चोडंकर को 5,059 वोट मिले। वहीं गोवा सुरक्षा मंच के आनंद शिरोडकर 220 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। पर्रिकर ने जीत के बाद पत्रकारों को बताया, ‘मुझे जीतने की उम्मीद थी। पर्रिकर की जीत के बाद केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर कहा, गोवा के मुख्यमंत्री से बात की और उन्हें इस अभूतपूर्व जीत की बधाई दी। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने 10,066 वोटों से वालपोई सीट अपने नाम की। राणे को 16,167 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के रॉय नाइक को 6,101 वोट मिले।

75 प्रतिशत हुआ था मतदान : बता दें कि गोवा में 23 अगस्त को हुए उपचुनाव में लगभग 75 फीसदी मतदान हुआ था। मार्च 2017 में केंद्र में रक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देने के बाद राज्य की राजनीति में पर्रिकर वापस लौट आए थे, जिसके बाद इस सीट से भाजपा के विधायक सिद्धार्थ कुनकोलिंकर ने इस्तीफा दे दिया था, जिस वजह से इस सीट पर उपचुनाव कराना जरूरी बन पड़ा था। वालपोई सीट पर कांग्रेस के विधायक राणे ने इस्तीफा दे दिया था और वह भाजपा में शामिल हो गए थे, जिसके बाद इस सीट पर उपचुनाव हुआ।

20 साल पुरानी खटारा बस का हुआ ब्रेक फेल, 9 यात्री हुए घायल

पुणे। कात्रज से महाराष्ट्र हाऊसिंग बोर्ड समता नगर जा रही पीएमपीएमएल की एक खटारा बस की सोमवार करीब साढ़े 11 बजे पुणे-सातारा रोड पर साईंबाबा मंदिर के नजदीक अचानक ब्रेक फेल हो जाने से दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में पीएमपी बस में सवार 9 यात्री गंभीर रुप से घायल हुए हैं। सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती करवाया गया है। पीएमपीएमएल विभाग के मुताबिक, बस नंबर एमएच 12 एजे 0574 दुर्घटना का शिकार हुई है। यह बाद महाराष्ट्र हाऊसिंग बोर्ड से समता नगर की ओर जा रही थी। कात्रज से यह बस करीब सवा 11 बजे निकली थी और पुणे-सातारा रोड पर साईबाबा मंदिर के पास इसका ब्रेक अचानक फेल हो गया। इस दुर्घटना में 9 यात्री मामूली रूप से घायल हुए हैं। सभी को उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। बता दें कि यह बस करीब 20 साल से भी अधिक पुरानी है और एकदम खटारा स्थिति में है।

7 साल की लड़की से चलती बस में अश्लील हरकत, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। चलती बस में सात साल की लड़की से अश्लील हरकत करने के आरोपी को चेंबूर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। लड़की अपनी मां के साथ यात्रा कर रही थी जब भीड़भाड़ के बीच आरोपी ने उसके साथ अश्लील हरकतें की। साथ में मौजूद लड़की की मां की नजर आरोपी पर पड़ गई और उसने दूसरे लोगों की मदद से उसे पुलिस के हवाले कर दिया। गिरफ्तार आरोपी का नाम संतोष कुमार मिश्र (37) है। पुलिस ने उसके खिलाफ आईपीसी के साथ-साथ पास्को कानून की संबंधित धाराओं के तहत भी एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक बच्ची अपनी मां के साथ बैठी थी और उसके बगल में ही आरोपी भी बैठा था। बस में काफी भीड़ थी इसलिए उसे लगा कि उस पर किसी का ध्यान नहीं जाएगा। लेकिन बच्ची की मां ने उसकी करतूत देख ली। उसने शोर मचाकर बस खड़ी कराई और दूसरे यात्रियों की मदद से आरोपी की पिटाई कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

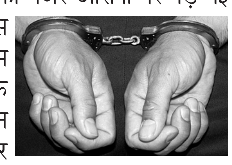

(पृष्ठ 1 का शेष)

कमजोर और खतरनाक स्टार बाजार मॉल की टेरिस पर बने इस अवैध बांधकाम की दीवारों का बोझ क्या यह इमारत सह पाएगी?

क्यूब लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर में...

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्टार बाजार मॉल के टेरिस पर अवैध रूप से बने इस क्यूब लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर में मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों के लड़के-लड़कियां जमा होती हैं और लेट नाईट तक चलने वाले इस हुक्का पार्लर में हुक्का के कश लगाकर नशे में डूब जाती हैं। इनमें कम उम्र के लड़के-लड़कियों की संख्या ज्यादा दिखाई देती है। भीड़ इतनी अधिक होती है कि हमेशा इस इमारत के ध्वस्त होने का खतरा बना रहता है। क्योंकि खतरनाक हालत में पहुंची स्टार बाजार मॉल के टेरिस पर जो अवैध बांधकाम किया गया है उसे कांच, अल्यूमिनियन और एंग्रील का सपोर्ट है। उसी का सहारा लेकर काफी मोटी मोटी दिवारे बनाई गई है जो हुक्का पार्लर में जमा भीड़ के कारण और भी ज्यादा ओवरलोड हो जाती हैं। इस कारण इस अवैध और खतरनाक इमारत के गिरने का खतरा और भी बढ़ जाता है और घाटकोपर हादसे जैसी दुर्घटना को यहां कभी भी देखा जा सकता है। हुक्का पार्लर के कारण यहां काफी भीड़ जमा होती है उनकी गाडियां नीचे यातायात को भी प्रभावित करती हैं। इस कारण यहां कभी-कभी विवाद भी होता देखा गया है। इन सबके बावजूद मनपा के/वेस्ट वार्ड के अधिकारी लगता है जैसे सोये पड़े हुए है। उन्हें घाटकोपर हादसे जैसी किसी बड़ी दुर्घटना का इंतेजार है। मनपा आयुक्त अजोय मेहता और मुंबई पुलिस आयुक्त दत्तात्रय पडसलगिकर से लोगों की अपील है कि वे खुद स्टार बाजार मॉल और इसके टेरिस पर चल रहे क्यूब लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर के गैर कानूनी कामों को देखें और इसपर अविलंब सख्त कार्रवाई करने का आदेश जारी करें नहीं तो यहां भी घाटकोपर हादसे जैसी दुर्घटना हो सकती है। क्योंकि क्यूब हुक्का पार्लर के ओवरलोडिंग पर कारण यह बिल्डिंग काफी खतरनाक हो चुकी है।

रेपिस्ट राम रहीम को उम्रकैद...

पंचकूला से जज जगदीप सिंह हेलीकॉप्टर से रोहतक पहुंचे थे। उन्होंने दोनों पक्षों को बहस के लिए 10-10 मिनट का समय दिया था। अभियोजन पक्ष ने राम रहीम के लिए उम्रकैद की मांग की थी। बचाव पक्ष ने कहा कि राम रहीम समाज सेवी हैं। उन्होंन भलाई के काम किए हैं। इसका संज्ञान लेते हुए सजा में नरमी बरती जानी चाहिए। साल 2002 में सामने आए इस केस में राम रहीम के खिलाफ आईपीसी की धारा 376, 511 और 506 धारा के तहत केस चल रहा था। 25 अगस्त को पंचकूला में सीबीआई कोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराया था। डेरा समर्थकों की हिंसा को देखते हुए इस बार सजा पर फैसले की सुनवाई के लिए रोहतक जेल में ही कोर्ट बनाया गया था। सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने दो साध्वियों से रेप मामले में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को 10-10 साल यानी कुल 20 साल के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही दोनों मामलों में 15-15 लाख रुपये यानी 30 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है, जिसमें से 14-14 लाख रुपये दोनों रेप पीड़ित साध्वियों को दिया जाएगा। सोमवार को सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने दोनों रेप मामलों में सजा का ऐलान किया। सजा पर बहस पूरी होने के बाद राम रहीम जज के सामने रहम की भीख मांगने लगा। इन केस की सुनवाई के लिए रोहतक जेल के अंदर कोर्ट रूम बनाया गया था। साथ ही सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इलाके में किसी भी संदिग्ध को देखते ही गोली मारने के आदेश दिए गए थे। इससे पहले पंचकूला से जज जगदीप सिंह हेलीकॉप्टर से रोहतक पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों को बहस के लिए 10-10 मिनट का समय दिया। अभियोजन पक्ष ने राम रहीम के लिए उम्रकैद की मांग की थी, जबकि बचाव पक्ष ने कहा कि राम रहीम समाज सेवी हैं। उन्होंने लोगों की भलाई के लिए काम किए है। इसका संज्ञान लेते हुए सजा में नरमी बरती जानी चाहिए।

भाजपा की कथनी और करनी में भेद साबित करता है मोदी का बयान : मायावती

बसपा अध्यक्ष मायावती ने आस्था के नाम पर हिंसा बर्दाश्त नहीं करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणी पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि यह बयान वास्तव में भाजपा की कथनी और करनी में व्यापक अंतर के स्वभाव को साबित करता है। मायावती ने एक बयान में प्रधानमंत्री द्वारा रेडियो पर मन की बात कार्यक्रम में आस्था के नाम पर हिंसा बर्दाश्त नहीं करने की टिप्पणी पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए जानना चाहा कि वर्ष 1992 में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर 6 दिसम्बर को अयोध्या में अदालत, कानून तथा संविधान का उल्लंघन करते हुए सरकारी संरक्षण

में हुई हिंसा तथा विध्वंस को क्या कहा जाएगा और बसपा प्रमुख ने कहा कि अगर मोदी की बात में थोड़ी भी सच्चाई और ईमानदारी होती तो पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के सख्त कानूनी तथा संवैधानिक रुख को देखते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर को अब तक बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए था। मगर ऐसा नहीं किया गया। मायावती ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में लोगों को याद दिलाया कि वह 15 अगस्त को लाल किले से अपने सम्बोधन में भी कह चुके हैं कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में आस्था के नाम पर हिंसा की कोई जगह नहीं है, लेकिन हरियाणा की ताजा घटना यह साबित करती है कि उनकी पार्टी की सरकार पहली ही परीक्षा में बुरी तरह से नाकाम साबित हुई है।

राम रहीम पर बाबा रामदेव का बयान

योगगुरु बाबा रामदेव ने सिरसा डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह पर बड़ा बयान देते हुए कहा कि किसी को भी कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। रामदेव ने इस मुद्दे पर कहा कि कानून का सम्मान सभी को करना चाहिए, जिसने अपराध नहीं किया उसको डरने की जरूरत नहीं है। अगर अपराध किया है तो उसे सजा भुगतना चाहिए और अपने आचरण में सुधार लाना चाहिए।

हर कोई अपराधी नहीं होता

रामदेव ने कहा कि हर 2-3 साल बाद किसी न किसी साधु-संत पर इस तरह का आरोप सामने आता है, हालांकि आरोप लगने से कोई अपराधी नहीं होता। उन्होंने कहा कि अगर कोई 15 साल सुनवाई के बाद भी अपराधी साबित होता है, तो उसके साथ अपराधी वाला व्यवहार होना चाहिए। कोई भी गलत काम करेगा,

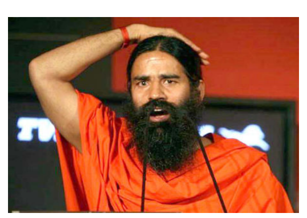

तो कानून अपना काम करेगा।

मेरे ऊपर भी लगे कई आरोप

योगगुरु ने कहा कि मेरे ऊपर भी कई तरह के आरोप लगे, कई तरह के केस दर्ज हैं लेकिन हमने हर आरोप का सामना किया है। उन्होंने कहा कि हमने कभी भी कानून को अपने हाथ में नहीं लिया है, न ही अपने समर्थकों को लेने देंगे। उन्होंने कहा कि धार्मिक अपराधीकरण , राजनीतिक अपराधिकरण देश को पीछे ले जाता है। किसी भी क्षेत्र में जो व्यक्ति शीर्ष पर बैठा है उसका दायित्व है कि वो कोई भी ऐसा काम न करे, जिससे गलत बात की ओर किसी का ध्यान जाए।

दिल्ली HC से केजरीवाल को झटका

वित्त मंत्री अरूण जेतली द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पांच अन्य आप नेताओं के खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे की जल्द सुनवाई के एक न्यायाधीश के आदेश के खिलाफ केजरीवाल की याचिका दिल्ली उच्च न्यायालय ने आज खारिज कर दी। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल और न्यामूर्ति सी हरि शंकर की पीठ ने कहा कि केजरीवाल और आप नेता आशुतोष द्वारा 26 जुलाई के एकल न्यायाधीश के फैसले के खिलाफ दायर याचिका निरर्थक और अयोग्य है।

पीठ ने कहा, इसलिये याचिका खारिज की जाती है। उन्हें (आप नेताओं को) इसे दायर नहीं करना चाहिए था। उच्च न्यायालय ने कहा कि सुनवाई में तेजी समय की मांग है और सभी मामलों में ऐसा होना चाहिए। पीठ ने यह भी कहा कि एकल न्यायाधीश के निदेशों के खिलाफ याचिका अयोग्य और सुनवाई में देरी ह्यह्यके मकसद से दायर की गई थी। अदालत ने यह भी संज्ञान में लिया कि आप नेताओं ने माना कि वकील राम जेठमलानी ने जेतली से जिरह के दौरान गरिमा घटाने वाली टिप्पणियां कीं।

दिल्ली की बवाना सीट पर AAP का कब्जा, दूसरे नंबर पर रही भाजपा

उत्तर पश्चिमी दिल्ली की बवाना विधानसभा उपचुनाव आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार रामचंद्र ने भाजपा के वेदप्रकाश को 24 हजार से अधिक मतों से हरा दिया। आप ने यह सीट बरकरार रखी। उपचुनाव 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में आप के टिकट पर विजय

हुए वेदप्रकाश के इस्तीफा देने से रिक्त हुई सीट पर हुआ था। वेदप्रकाश इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गए थे और उपचुनाव में पार्टी के उम्मीदवार थे। कांग्रेस को निराशा हाथ लगी। उसके तीन बार विधायक रहे सुरेन्द्र कुमार तीसरे स्थान पर रहे।

कांग्रेस को बचाने के लिए नरेंद्र मोदी जैसे नेता की जरूरत-संजय बारू

कांग्रेस को लगातार मिल रही हार से परेशान पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के मीडिया सलाहकार रह चुके संजय बारू ने पार्टी को प्रदर्शन में सुधार और उसकी सत्ता वापसी के लिए सलाह दी है। बारू ने कहा कि पार्टी को फिर से जीवित करने के लिए नरेंद्र मोदी जैसे नेता की जरूरत है। कांग्रेस को चुनावों में लगातार हार मिल रही है। जानकारी के अनुसार संजय बारू ने ये बात एक पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान हुई चर्चा में कही। इस दौरान वहां कांग्रेस नेता शशि थरूर और मनीष तिवारी भी मौजूद थे। उनके सुझाव देने के तुरंत बाद मनीष

तिवारी ने कहा कि हार-जीत चुनाव का हिस्सा है। किसी भी दल की जीत स्थायी नहीं होती और सरकारें बदलने के लिए ही होती हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगामी चुनावों में कांग्रेस पार्टी जोरदार वापसी करते हुए वापस पुराने ढर्रे पर लौटेगी।

संजय बारू ने मनमोहन सिंह पर लिखी है किताब

बता दें कि संजय बारू ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह पर एक किताब भी लिखी है। द एक्सिडेंटल प्राइम मिनिस्टर: द मेकिंग एंड अनमेकिंग ऑफ मनमोहन सिंह नाम की इस किताब पर एक फिल्म भी बन रही है। यह किताब मनमोहन सिंह के पहले कार्यकाल पर आधारित है। इस किताब को लेकर काफी विवाद भी हुआ था। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की बेटी ने भी इस पर सवाल उठाए थे। उन्होंने संजय बारू की इस किताब की तुलना पीठ में छुरा घोंपने से करते हुए उन पर विश्वासघात का आरोप लगाया था।

राम रहीम अपने भक्तों को गोली देकर बना देता था नपुंसक!

रेप केस में दोषी डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह की मुश्किले कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। राम रहीम सिंह के एक पुराने सेवादार हंसराज चौहान ने खुलासा किया है कि बाबा अपने पुरुष चेलों को नपुंसक बना देता था। इस बात का खुलासा करने वाले सेवादार का नाम हंसराज है। हंसराज चौहान 1990 से डेरा सच्चा सौदा से जुड़ा हुआ है और उसे 2000 में नपुंसक बनाया गया।

डेरा प्रमुख देता था काली गोली

चौहान का दावा है कि उसके साथ करीब 400 डेरा अनुयायियों को नपुंसक बना दिया गया था। 37 साल के हंसराज उस वक्त 15 साल के थे, जब उनके मां-बाप उन्हें डेरा सच्चा सौदा ले गए। सेवादार हंसराज ने कहा कि राम रहीम शुरूआत में कुछ दिनों तक उसे एक काली गोली देता रहा। इसके बाद उसका ब्रेन वॉश किया गया फिर बहला फुसलाकर ऑपरेशन से नपुंसक बना दिया गया।

राम रहीम के आदेश पर बनाया नपुंसक

राम रहीम के खिलाफ डेरा के लगभग 400 डेरा अनुयायियों को नपुंसक बनाने के मामले में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में आगामी 25 अक्तूबर को सुनवाई होगी। याचिकाकर्ता फतेहाबाद निवासी हंसराज चौहान ने आज यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह मामला उन्होंने सात जुलाई 2012 को उच्च न्यायालय में दायर की थी। वह अब तक डेरा द्वारा नपुंसक बनाये गये 166 अनुयायियों की सूची भी अदालत को सौंप चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि डेरा प्रमुख के आदेश पर ही डेरे के डाक्टरों ने इन लोगों को नपुंसक बनाया था।

राम रहीम ने आस्था के नाम पर आंतक मचाया

साध्वी यौन शोषण मामले में डेरा प्रमुख को दोषी करार दिए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया में चौहान ने कहा कि उन्हें इससे बेहद प्रसन्नता हुई है। डेरा प्रमुख ने आस्था के

नाम पर अपनी अनैतिक करतूतों से आतंक मचाया हुआ था। वह डेरा और धार्मिक आस्था की आड़ में समानांतर सरकार चला रहा था। उन्होंने बताया कि हत्याओं से लेकर साध्वियों के यौन शोषण और अनुयायियों को नपुंसक बनाने जैसे अत्याचारों के अलावा भी बाबा की करतूतों की लम्बी फेहरिस्त है। अगर डेरे और उसके आश्रमों की पुलिस और प्रशासन सही तरीके से जांच करे तो कई प्रकार के गलत कामों का पदार्फाश हो सकता है। इस बीच साध्वी यौन शोषण मामले में अदालत का फैसला आने के बाद प्रशासन ने चौहान के घर की सुरक्षा कड़ी कर दी है।

पहले भी चल रहे हैं मामलें

उल्लेखनीय है कि डेरा प्रमुख के खिलाफ सिरसा के पत्रकार रामचंद्र छत्रपति तथा डेरा प्रबंधक रणजीत सिंह की हत्याओं तथा डेरा अनुयायियों को नपुंसक बनाने के मामले भी चल रहे हैं तथा इनमें भी सुनवाई अब अंतिम चरण में है। रामचंद्र छत्रपति ने ही साध्वी प्रकरण की शिकायतकर्ता के उस पत्र को अपने अखबार..पूरा सच्च.. में छापा था जो उसने वर्ष 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी , पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय तथा अन्य शीर्ष संस्थाओं को लिखकर डेरा में हो रहे अनैतिक कृत्यों की पोल खोलने का प्रयास किया था।

कश्मीर के खिलाफ भाजपा कर रही साजिश : कांग्रेस

कांग्रेसी नेता तारीक हमीद कर्रा ने घाटी से आर्टिकल 35ए हटाने को लेकर भाजपा और पीडीपी पर साजिश करने का आरोप लगाया। कर्रा ने सवाल किया कि ह्यअगर पी.डी.पी., भाजपा के साथ मिलकर आर्टिकल 35ए पर साजिश नहीं कर रही है तो पी.डी.पी. अपनी सहयोगी पार्टी भाजपा को क्यों नहीं मना पा रही है कि वह सुप्रीम कोर्ट में आपत्ति दायर करे। श्रीनगर में अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेसी नेता तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि उनकी पार्टी हाईकमान से बात हुई है और कांग्रेस पार्टी आर्टिकल 35ए के तहत कश्मीर को मिले विशेषाधिकार के दर्जे से पूरी तरह सहमत है और इसके पक्ष में है। कांग्रेस ना सिर्फ आर्टिकल 35ए के पक्ष में हैए ब्लकि उन्हें इस मामले में हरसंभव सहायता देने का भी वादा कर चुकी है। तारिक हमीद कर्रा ने कुछ समय पहले आर्टिकल 35ए को लेकर एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की थी। इस याचिका में कर्रा ने मांग की थी कि उन्हें इस मामले में निजी पक्ष के तौर पर शामिल किया जाएगा। बता दें कि कोर्ट ने कर्रा की इस याचिका को स्वीकार कर लिया है। इसके बाद कर्रा निजी पक्ष के तौर पर आर्टिकल 35ए पर कश्मीर का पक्ष रखेंगे। कर्रा ने अपनी पूर्व पार्टी पी.डी.पी. पर हमला बोलते हुए कहा कि पी.डी.पी. सत्ता के

लालच में कश्मीर के सम्मान और विशेषाधिकार के स्टेटस से समझौता कर रही है। कर्रा ने कहा कि यह कश्मीर के खिलाफ भाजपा की एक साजिश है और पीडीपी इस साजिश में भाजपा का साथ दे रही है। कर्रा ने कहा कि पीडीपी आर्टिकल 35ए पर सिर्फ लोगों को गुमराह कर रही हैए लेकिन पर्दे के पीछे भाजपा और पीडीपी के बीच यह मैच फिक्स है।

कांग्रेसी नेता ने कहा कि मैं कश्मीर के लोगों को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि संवैधानिक, और कानूनी तौर पर इस केस में कश्मीर का दावा मजबूत है। कर्रा ने कहा कि गोवा और नॉर्थ ईस्ट को भी संविधान में विशेषाधिकार दिए गए हैं, लेकिन कोई उनके विशेषाधिकार पर सवाल नहीं उठाता। पता नहीं क्यों सभी लोग कश्मीर से ही विशेषाधिकार छीनने पर लगे हैं। कर्रा ने कहा कि कश्मीर की जनता किसी भी कीमत पर अपना विशेषाधिकार छिनने नहीं देगी। कश्मीर से आर्टिकल 35ए हटाने को लेकर एक महिला और एक संस्था ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। जिस पर सुप्रीम कोर्ट जल्द ही सुनवाई कर सकता है। बता दें कि आर्टिकल 35ए और आर्टिकल 370 के तहत कश्मीर को विशेषाधिकार दिए गए हैं। इसी को देखते हुए कश्मीर की विपक्षी पार्टियां इसके पीछे भाजपा की साजिश बता रही हैं।

जीत कर भी हारे केजरीवाल!

बवाना विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भले ही अरविंद केजरीवाल अग्निपरीक्षा पास हो गए हैं लेकिन उनके लिए ये जीत किसी हार से कम नहीं है। आम आदमी पार्टी की ओर से रामचंद्र ने 24 हजार मतों से जीत दर्ज कर ली है लेकिन यह जीत 2015 के मुकाबले बहुत कम है। इस उपचुनाव में आम आदमी पार्टी के रामचंद्र को 59,886 वोट मिले हैं।

एक नजर वर्ष 2015 के चुनाव पर - 2015 के विधानसभा चुनाव में यह सीट वेद प्रकाश ने आप के टिकट पर जीती थी। जिसमें उन्हें 1 लाख 8 हजार वोट मिले थे जबकि भाजपा के उम्मीदवार गुगन सिंह को 57 हजार

के करीब वोट मिले थे। वहीं कांग्रेस के उम्मीदवार सुरेंद्र कुमार को मात्र 14 हजार 652 वोट मिले थे। इस बार भले ही चुनाव में आप के रामचंद्र ने जीत दर्ज कर ली हो लेकिन उन्हें इस बार 59,886 वोट मिले जोकि 2015 के मुकाबले लगभग आधे हैं। भाजपा और कांग्रेस में भी इस चुनाव में कांटे की टक्कर देखने को मिली। भाजपा के वेदप्रकाश को 35834 वोट मिले और कांग्रेस के सुरेंद्र कुमार को 30758 वोट मिले। आपको बता दें कि इस बार 18 प्रतिशत मतदान कम हुआ जिसका सीधा नुकसान आप के साथ भाजपा को भी उठाना पड़ा।

केजरीवाल के लिए राहत की सांस - 2015 चुनावों के बाद से केजरीवाल की आप ने कोई चुनाव नहीं जीता था। ऐसे में इस चुनाव में हार का सीधा मतलब था कि पार्टी आज से दो ढाई साल पहले भले प्रचंड बहुमत से दिल्ली में चुनाव जीतकर आई हो, लेकिन अब उसका जादू खत्म हो चुका है। ऐसे में विधानसभा क्षेत्र में खुद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने भारी प्रचार किया था।

स्क्रीन राइटर एसोसिएशन का 61 वां वार्षिक सम्मेलन पिछले दिन अंधेरी में संपन्न हुआ। चित्र में मशहूर कथा लेखक रॉबिन भट्ट के साथ मनोज हंसराज।

शाही परिवार को ऑटोग्राफ देने से लगता है डर

ब्रिटेन के शाही परिवार के बारे में आप ये बात सुन थोड़े हैरान जरूर होंगे। दरअसल शाही परिवार के साथ आप सेल्फी तो ले सकते हैं लेकिन अगर आप उनसे ऑटोग्राफ देने को कहेंगे तो आपको इंकार सुनने को मिलेगा।

शाही परिवार के प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी केट मिडलटन ही नहीं, बल्कि शाही परिवार का हर सदस्य ऑटोग्राफ देने से इंकार कर देता है । खुद महारानी एलिजाबेथ भी ऑटोग्राफ देने से कतराती हैं। ज्यादा कहने पर शाही परिवार के लोग प्यार से माफी मांग लेते हैं और मुस्कुराते हुए आगे निकल जाते हैं। विलियम और उनकी पत्नी केट की बात करें तो वे दुनियाभर में अपनी यात्राओं के दौरान हजारों लोगों से मिलते-

जुलते हैं। मगर, जैसे ही कोई उनसे ऑटोग्राफ की मांग करता है, उनके चेहरे के भाव बदल जाते हैं और ऑटोग्राफ देने से इंकार कर देते हैं।

प्रिंस चार्ल्स ने तोड़ा था प्रोटोकॉल

हालांकि,साल 2010 में प्रिंस चार्ल्स ने यह प्रोटोकॉल एक बार जरूर तोड़ दिया था। उन्होंने एक बाढ़ पीड़ित को अपना ऑटोग्राफ कागज के एक टुकड़े पर सिर्फ 'चार्ल्स 2010' ही लिखकर दिया था।

दरअसल, शाही परिवार प्रोटोकॉल के कारण ऐसा करता है। शाही परिवार के प्रत्येक सदस्य को अपने हस्ताक्षर देने की मनाही है। ताकि कोई उनके हस्ताक्षर की नकल करके धोखाधड़ी न कर ले।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आसाराम केस में सुप्रीम कोर्ट की गुजरात सरकार को फटकार

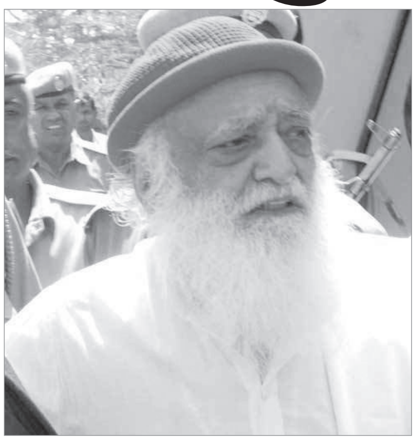

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम केस में सुनवाई की धीमी रफ्तार पर गुजरात सरकार को फटकार लगाई। बेंच ने कहा कि अभी तक पीड़िताओं से पूछताछ नहीं हुई है। बता दें कि सूरत की 2 बहनों ने आसाराम और उसके बेटे नारायण साईं पर रेप का आरोप लगाया था। खबर के मुताबिक, जस्टिस एनवी रमन्ना और जस्टिस अमिताव रॉय की बेंच ने मामले में राज्य सरकार से एफिडेविट दायर करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने 12 अप्रैल को गुजरात की ट्रायल कोर्ट को कहा था कि वह आसाराम यौन शोषण मामले में प्रॉसिक्यूशन द्वारा पेश किए गए एविडेंस की जांच करे। सूरत की 2 बहनों ने आसाराम के खिलाफ गवाही दी थी। कोर्ट ने सूरत ट्रायल कोर्ट से कथित रेप पीड़िताओं समेत 46 गवाहों के बयान रिकॉर्ड करने का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट से आसाराम को नहीं मिली थी जमानत

कोर्ट यौन शोषण के 2 अन्य मामलों में हेल्थ के आधार पर आसाराम को जमानत देने से इनकार कर चुका है। राजस्थान और गुजरात में ये केस फाइल किए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने 30 जनवरी को आसाराम की जमानत याचिका खारिज की थी और उसकी तरफ से दायर किए डॉक्युमेंट्स को फर्जी बताया था। साथ ही कहा था कि जिन लोगों ने ये दस्तावेज तैयार किए हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।

क्या है मामला?

सूरत की 2 बहनों ने आसाराम और उसके बेटे नारायण साईं के खिलाफ अलग-अलग शिकायत दर्ज कराई थीं। दोनों पर रेप, गलत तरीके से बंधक बनाने और कई अन्य आरोप लगाए थे। बड़ी बहन ने अपने आरोप में कहा था कि 2001 से 2006 के बीच आसाराम ने कई बार उसका सेक्शुअल हैरेसमेंट किया। उस वक्त वह अहमदाबाद के आश्रम में ही थी। राजस्थान में एक किशोर लड़की ने आसाराम पर आरोप लगाया था कि उसने जोधपुर के पास एक आश्रम में सेक्शुअल हैरेसमेंट किया था। ये लड़की उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में रहने वाली थी। 31 अगस्त, 2013 को जोधपुर पुलिस ने आसाराम को अरेस्ट किया था। तबसे वह जेल में है।

ब्लू व्हेल चैलेंज गेम से उत्तर प्रदेश में पहली मौत

हमीरपुर। जल्द ही मैं गेम का अंतिम लेवल भी पार कर लूंगा। मेरी जीत तय है। हालांकि यह देखने के लिए मैं नहीं रहूंगा फिर भी हर कीमत पर जीतना चाहता हूं...। कुछ यही सोचकर मोबाइल फोन हाथ में लेकर कक्षा छह के छात्र ने फांसी लगाकर जान दे दी। मौके पर मिले साक्ष्य यह साफ बता रहे हैं कि 13 वर्षीय छात्र ने ऐसा कदम 'ब्लू व्हेल चैलेंज गेम' (ब्लू वेल) के आखिरी चैलेंज को पूरा करने के लिए उठाया था। जब उसके शव को फंदे से उतारा गया तो उस वक्त यही गेम मोबाइल पर चल रहा था। हमीरपुर के मौदहा कस्बे के मिशन कंपाउंड निवासी विक्रम सिंह का इकलौता पुत्र पार्थ सिंह मुख्यालय के जयपुरिया पब्लिक स्कूल में कक्षा छह का छात्र था। रविवार शाम करीब पांच बजे वह अपने पापा का फोन लेकर गेम खेल रहा था।

इसी दौरान पार्थ अचानक अपने कमरे में चला गया और बेड के ऊपर कुर्सी रख गमछा के सहारे पंखे से फांसी लगा ली। आवाज लगाने के बाद जब कोई जवाब नहीं मिला तो विक्रम उसके कमरे में पहुंचे। वहां बच्चे को फांसी पर लटका देख उनके होश उड़ गए। शोर सुन उनकी पत्नी भी पहुंच गई। मोहल्ले वाले भी आ गए। विक्रम ने बताया कि कुछ दिनों से वह मोबाइल पर गेम खेल रहा था। उसे कई बार टोकने के साथ ही डांटा भी था। इसके बाद चोरी-छिपे गेम खेलने लगा। उसे अपने दोस्त की जन्मदिन पार्टी में जाना था। सुबह से वह पार्टी में जाने की तैयारी कर रहा था। उसकी मां उसके लिए मिठाई बना रही थी। इकलौते पुत्र की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गेम की वजह से मौत की बात सामने आई

मौदहा इंस्पेक्टर प्रमेंद्र सिंह ने बताया कि मौके से मोबाइल फोन मिला है। प्रथम द्दष्टया गेम खेलने की बात सामने आई है। जांच के बाद मामले की सच्चाई पता चलेगी। हालांकि उसके शरीर पर किसी तरह का कोई चिह्न नहीं बना था। एडीएमकुंज बिहारी ब्लू व्हेल गेम की वजह से किसी के जान देने की जानकारी नहीं है। इसकी जांच कराई जाएगी और अगर गेम की वजह से जान जाने की बात सामने आई तो इस पर प्रभावी तरीके से रोक लगाने का प्रयास किया जाएगा।

ब्लू-वेल गेम 50 दिन 50 टास्क और खेल खत्म

ऑनलाइन गेम ब्लू-वेल चैलेंज पिछले काफी समय से भारत में चर्चित है। लगभग 50 दिन तक चलने वाले इस खेल में खिलाड़ी को 50 टास्क्स करने होते हैं, जिनमें से कई में खुद को नुकसान भी पहुंचाना होता है। इस खेल के आखिर में खिलाड़ी को करना सुइसाइड होता है । इस पूरे खेल के दौरान खिलाड़ी को अपने सभी कारनामों के विडियो बनाकर उस 'वेल' या इंस्ट्रक्टर को भेजने होते हैं जो अभी तो उसे इंस्ट्रक्ट करता रहा हो। दुनियाभर में इस चैलेंज की वजह से लगभग सवा सौ से अधिक मौतें हो हो चुकी हैं। भारत में भी कई यंगस्टर्स इसके चलते अपनी जान गंवा चुके हैं।

बाढ़ से अबतक 500 लोगों की मौत

कई इलाकों मे बारिश का अलर्ट

पटना। बिहार में नदियों का जलस्तर कुछ कम हुआ है लेकिन बाढ़ से अभी लोगों को राहत नहीं मिली है। रविवार सुबह से हो रही बारिश ने पूर्व बिहार, कोसी और सीमांचल के बाढ़ पीड़ित इलाकों के लोगों के मन में सिहरन भर दी है। कई इलाकों की नदियों में पानी कम हो रहा था। विस्थापित घरों की ओर लौटकर फिर से अपनी गृहस्थी बसाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, एक बार फिर से रूक-रूक कर हो रही बारिश के बाद लोग भयभीत हैं कि कहीं फिर से बाढ़ ना आ जाए। दक्षिण-पश्चिम मानसून एक बार फिर सूबे में सक्रिय हो गया है। मानसून की सक्रियता बढने से सूबे के उत्तर-पूर्वी जिलों में अच्छी बारिश के आसार बन रहे हैं। मौसम वैज्ञानिकों

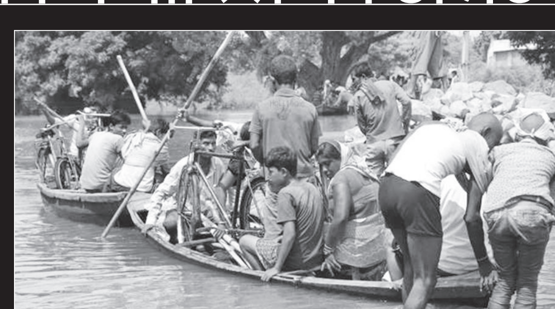

के अनुसार सोमवार को राज्य के पश्चिमी चंपारण एवं आसपास के जिलों में सोमवार को गरज के साथ बारिश हो सकती है। रविवार को भागलपुर एवं पूर्णिया में अच्छी बारिश रिकॉर्ड की गई। भागलपुर में पिछले चौबीस घंटे में 31.4 एवं पूर्णिया में 67 मिलीमीटर बारिश हुई। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक शुमेंदु सेनगुप्ता का कहना है कि सोमवार को राजधानी समेत प्रदेश के अधिकतर इलाके में बादल छाए रहेंगे। कुछ जिलों में गरज से साथ बिजली गिर सकती है। पटना, गया, भागलपुर, पूर्णिया में भी बारिश होने की उम्मीद है। पश्चिम चम्पारण जिले, उत्तर-मध्य, उत्तर-पूर्वी और दक्षिण पूर्वी हिस्से के एक या दो स्थानों पर आज भारी बारिश का भी अनुमान जताया है।

रेलिंग तोड़ती हुई 20 फीट गड्ढ़े में जा गिरी बस

पटना। शव का अंतिम संस्कार कर लौट रहे चालक अमनौर थाना क्षेत्र के रसूलपुर निवासी जीतन साह और भेल्दी थाना क्षेत्र के इस्सेपुर गांव निवासी कन्हैया लाल महतो को क्या मालूम था कि दूसरे का अंतिम संस्कार कर लौट रहे हैं और कुछ समय बाद ही उनका भी अंतिम संस्कार इसी घाट पर होगा। बस चलाते हुए ड्राइवर ने झपकी ली और बस असंतुलित होकर रेलिंग तोड़ते हुए बीस फीट गड्ढे में गिर गई जिससे दो लोगों की मौत हो गई और 23 लोग घायल हो गए। घटना डोरीगंज के गड़खा-चिरांद रोड पर रविवार रात करीब 10.20 बजे जिल्कबाद गांव के बड़का पुल के पास की है। घायलों का इलाज गड़खा पीएचसी व सदर अस्पताल छपरा में चल रहा है। चालक को नींद आने की वजह से हादसा हुआ। बताया जाता है कि सिटी राइड की बस जैसे ही गड़खा चिरांद रोड पर जिल्काबाद गांव बड़का पुल के पास पहुंची ड्राइवर को नींद आ गई।

ये हैं दुनिया के सबसे मंहगे आशियाने

हर किसी का सपना होता है कि उसका अपना घर हो, ताकि वह अपने घर अपनी मर्जी का फर्नीचर लगवा सकें। धीरे धीरे ही सही लेकिन ज्यादातर लोग पैसा जोड़ जोड़ कर अपना यह सपना भी पूरा कर ही लेते है। कहते है न कि इंसान की और पाने की चाहत कभी खत्म नहीं होती है। अगर उसे अपने सपनों का आशियान मिल भी जाता है तो उसकी इच्छा इससे बड़ा और अट्रैक्टि आशियाना पाने की होती है। इस इच्छा को पूरा करने में बाधा बनती है तो उनकी ज्यादा कीमत। जिसके बारे में सुनकर अक्सर कान खड़े हो जाते है। कुछ लोग ऐसे भी जो अपना यह सपना भी पूरा कर लेते है। हम आपको उन्हीं घरों के बारे में बताएंगे जो दुनिया के सबसे महंगे घर कहलाते है। क्या आप देखना चाहेंगे इन घरों की खूबसूरती तो आइए देखते है।

1. वन हाइड पार्क पेंटहाउस, नाइटब्रिज
यह दुनिया से सबसे महंगे फ्लैट्स में गिना जाता है जो 3,85,000 स्कवेयर फीट में बना है। इसकी कीमत 137 मिलियन है। यहां बुलेटप्रूफ विंडो, पैनिक रूम, स्कवैश रूम, स्पा के साथ आपको इसमें 24 घंटे स्टफ सर्विस मिलेगी।

2. एलिसन एस्टेट, वुडसाइड, कैलिफोर्निया
रीयल एस्टेट कलैक्टर्स में से एक लैरी का जापानी अंदाज में बना 23 एकड़ घर भी काफी महंगा है। इस घर की कीमत 200 मिलियन है। 10 मंजिल्स, टी हाउस, बाथ हाउस सब कुछ परफैक्ट है।

3. विला लीयापोल्डा, कोटे डी अजूर, फ्रांस
इसे आप फ्रांस के सबसे बेहतरीन घरों में से एक मान सकते है। इस घर को बेल्जियम के किंग लियापोल्डा ने अपनी रानियों के लिए बनवाया था लेकिन अब यह रूस के अरबपति मिखेल प्रोखोरोव का घर है। इस घर में स्विमिंग पुल, प्राइवेट बीच के अलावा 11 बेडरूम. 14 बाथरूम मौजूद है।

4. फ्लेयोर डि लिस, बेवर्ली हिल्स
इस घर को 5 एकड़ की जमीन यानी 45,000 स्क्वेयर फीट की प्रॉपर्टी में बनाया गया है। इसका मालिक माइकल मिल्केन है। घर में 12 बेडरूम और 15 बाथरूम, 2 मंजिला लाइब्रेरी, 3000 स्क्वेयर फीट का वाइन टेस्टिंग रूम आदि काफी खूबसूरत अंदाज में बने हुए है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
शारीरिक और मानसिक आरोग्य अच्छा रहेगा। मध्याह्न के बाद नए कार्य का प्रारंभ न करने की गणेशजी सलाह देते हैं।

वृष
मध्याह्न के बाद मनोरंजन की दुनिया में आप सैर करेंगे और प्रियपात्र आपके मन को प्रफुल्लित करेंगे। नए वस्त्र और गृहोपयोगी वस्तुओं के पीछे धन का व्यय होगा।

मिथुन
गणेशजी कहते है कि आप तन एवं मन की अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। आज नया काम शुरू करने की योजना बनेगी परंतु काम प्रारंभ न करने की सलाह गणेशजी देते हैं।

कर्क
जमीन और वाहनों से जुड़ी समस्याएं सताएंगी। मध्याह्न के बाद आप सुख-शांति का अनुभव करेंगे। मित्रों से सहयोग मिलेगा, शारीरिक स्फूर्ति का अनुभव होगा।

सिंह
नए कार्य के लिए अच्छा समय है। निवेशकों के लिए दिन लाभदायी है। परंतु मध्याह्न के बाद आप अधिक सहनशील बनेंगे। मानसिक हताशा का अनुभव होगा।

कन्या
कार्य में शीघ्रता से नुकसान हो सकता है। मन में अस्थिरता का भाव रह सकता है। व्यर्थ की भागदौड़ से परेशानी। वाणी पर संयम जरुरी है, वरना परेशानी।

तुला
वस्त्राभूषण और मनोरंजन के पीछे धन खर्च होगा। मध्याह्न के बाद आपका मन दुविधायुक्त स्थिति में रहेगा जिससे आपको निर्णय लेने में कठिनाई का अनुभव होगा।

वृश्चिक
मध्याह्न के बाद शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रख पाएंगे। आर्थिक विषयों का व्यवस्थित रूप से आयोजन कर सकेंगे।

धनु
कार्य में पदोन्नति होगी। मित्रों के साथ बाहर जाना होगा। व्यापारीवर्ग को भी लाभ होगा। अविचारी कार्य अथवा व्यवहार आपको समस्या में डाल सकते हैं।

मकर
सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। मध्याह्न के बाद मित्रों के साथ मुलाकात होगी और किसी मनोहर स्थल पर पर्यटन जाने की संभावना भी है। आय में वृद्धि होने के योग हैं। व्यापारी वर्ग को लाभ होगा

कुंभ
नए कार्य का आज से प्रारंभ कर सकते हैं। लंबे प्रवास का या धार्मिक यात्रा का आयोजन होने की भी संभावना है। कारोबार में लाभ का अवसर मिलेगा।

मीन
गणेशजी आज आपको वाणी और वर्तनी को संयमित रखने की सलाह देते हैं। शत्रुओं से सावधान रहिएगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखिएगा।

अचानक गड्ढे में गिरा गधा, फिर सामने आई सालों से छिपी रहस्यमयी दुनिया

कहा जाता है कि जिस मकबरे को लोग ढूंढते-ढूंढते थक गए थे, उसकी खोज एक गधे की वजह से हुई थी। अचानक गड्ढे में गिरा गधा, फिर सामने आई सालों से छिपी रहस्यमयी दुनिया इजिप्ट का नाम सुनते ही पुरानी ममीज और कई तरह के पिरामिड्स का ख्याल आ जाता है। यहां ऐसे कई मकबरे भी हैं, जिनका रहस्य आज भी बना हुआ है। इसी का एक उदाहरण है कोम एल शोकाफा का मकबरा। सालों से छिपे इस मकबरे की खोज की कहानी काफी दिलचस्प है। गधे के कारण सामने आई थी दुनिया...

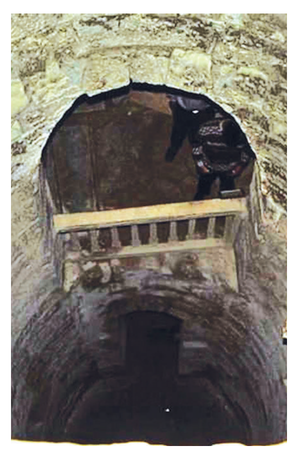

प्रचलित कहानियों के मुताबिक, कोम एल शोकाफा का मकबरा हमेशा के लिए खो चुका था। लेकिन एक गधे के कारण ये रहस्यमयी दुनिया लोगों के सामने आ पाई। लोगों का कहना है कि अचानक एक गधा चलते हुए गड्ढे में गिर गया था। उसके मालिक ने जब गधे को बाहर निकालने के लिए और गड्ढा खोदा, तब उसने देखा कि अंदर सालों से छिपी दुनिया थी। इसमें अंदर के पिलर्स पर कई तरह की नक्काशी की हुई थी। हालांकि, दस्तावेजों में इस कहानी का जिक्र नहीं है।

इस शख्स ने की थी खोज

लोकल रिकाड्र्स में जिक्र है एक शख्स का, जिसने 1990 में म्यूजियम को इस बात की जानकारी दी थी कि उसने एक मकबरे की खोज की है। शख्स का नाम Es-Sayed Aly Gibarah था। उसने म्यूजियम को बताया कि कैसे जमीन की खुदाई करते हुए उसे एक छेद दिखा, जिसमें झांकने के बाद उसे ये मकबरा मिला।

अपने जमाने का सबसे बड़ा कब्रिस्तान रहा है ये मकबरा

आर्कियोलॉजिस्ट्स ने इस मकबरे की सच्चाई जानने के लिए इन्वेस्टिगेशन शुरू किया। तब उन्हें पता चला कि ये मकबरा ग्रेको-रोमन दौर का सबसे बड़ा कब्रिस्तान रहा था। साथ ही उन्हें ये भी पता चला कि पहले इस मकबरे में सिर्फ एक ही परिवार के लोगों की बॉडीज दफनाई जाती थी। लेकिन धीरे-धीरे यहां कई लोगों की बॉडीज दफन की जाने लगी। यहां दफनाई गई बॉडीज आज भी काफी अच्छे हालत में मौजूद है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ईयरफोन से है प्यार

तो बहरा होने के लिए रहिए तैयार!

तेज आवाज में गाना सुनने से हो सकते हैं बहरे. बहुत तेज आवाज में ईयरफोन या हेडफोन से गाने सुनने की आपकी आदत न केवल सुनने की क्षमता कम कर सकती है, बल्कि यह दुर्घटना की भी वजह बन जाती है। आए दिन ऐसी घटनाएं होती रहती हैं, जिसमें ईयरफोन लगाए टीनेजर्स ऐक्सीडेंट का शिकार हो जाते हैं। आगे की स्लाइड्स पर क्लिक कर जानें इससे होने वाले नुकसान के बारे में...

क्या आपको भी है ईयरफोन से गाने सुनने की आदत?

डॉक्टरों का कहना है कि ईयरफोन का लगातार यूज करने से सुनने की क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। इससे सुनने की क्षमता 40 से 50 डेसिबेल तक कम हो जाती है। इसीलिए ज्यादा तेज आवाज में गाना नहीं सुनना चाहिए। इससे आपके कान के पर्दे में कंपन होता है, जिसके कारण धीरे-धीरे आपको दूर की आवाजें सुनाई देना बंद हो जाती है। आपको बहरापन भी हो सकता है।

बहरापन

एशियन हॉस्पिटल के ईएनटी स्पेशलिस्ट डॉ. एल. एम. पराशर ने कहा कि तेज आवाज कान के अंदर के स्ट्रक्चर को डैमेज करती है, जिससे ब्रेन को सही सिग्नल मिलना धीरे-धीरे कम होने लगता है। लंबे समय तक तेज आवाज में गाने सुनने की आदत से कान के अंदर का कवरिंग भी डैमेज हो जाता है और सुनने की क्षमता कम होने लगती है। ऐसा आजकल के युवाओं में काफी देखी जा रही है।

60:60 का फॉम्युर्ला

डॉक्टर का कहना है कि 60:60 फॉम्युर्ला यूज करने की आदत डालें। अगर म्यूजिक सुनते हैं तो साउंड लेवल को 60 पर्सेंट से ज्यादा नहीं करें और पूरे दिन-रात में 60 मिनट से ज्यादा ईयरफोन का इस्तेमाल नहीं करें। इसलिए जहां तक संभव हो, ईयरफोन कम वॉल्यूम में सुनें, आवाज को 60 पर्सेंट से कम रखें। चाइनीज या लोकल मोबाइल हो, तो 40-50 पर्सेंट के बीच ही साउंड लेवल रखना चाहिए।

कम सुनने की बीमारी

20-35 वर्ष के युवाओं में ईयरफोन का उपयोग करने की आदत बढ़ती जा रही है। कई बार एक कान से सुनना कम हो जाता है। जानकारी के अभाव में शुरूआती दौर में तेज आवाज से उपजी बीमारी को पहचान नहीं पाते। तब दोनों कान से सुनना कम हो जाता है या कान में सीटी की आवाज सुनाई देने लगती है। ऐसी स्थिति हो तो तुरंत अस्पताल जाकर इलाज कराएं वरना सुनना बंद हो सकता है।

बिना सर्जरी के नाक को बनाएं सुडौल, जानिए कैसे

खूबसूरती में जितना अहम रोल आंखों और लिप्स का होता है, वहीं खूबसूरत नाक भी चेहरे पर अपना खास इम्प्रैशन जमाती है। बहुत सी लड़कियों की नाक काफी मोटी होती हैं जो चेहरे पर बेकार लगती है। ज्यादातर लड़कियां तो इस बात को इग्नोर कर देती है लेकिन कुछ लोगों को मोटी नाक बिल्कुल पसंद नहीं आती है। अपनी नाक को परफैक्ट शेप देने के लिए लड़कियां सर्जरी करवाती है और लाखों रुपए खर्च करती है। सर्जरी कई बार बेहतर हो जाती है लेकिन कई बार सफल परिणाम नहीं दे पाती। अगर आप भी अपना मोटी को लेकर परेशान तो मायूस न हो। हम आपको एक घरेलू नुस्खा बताएंगे, जिसकी मदद से आप अपनी नाक को सुडौल बना सकते है।

जरूरी सामग्री
- टूथपेस्ट
- अदरक पाऊडर
- एप्पल-साइडर विनेगर

इस्तेमाल करने का तरीका

सबसे पहले 1 चम्मच टूथपेस्ट में 1 चम्मच अदरक पाऊडर और 1 बड़ा चम्मच एप्पल साइडर विनेगर मिला लें। फिर इसे अच्छे से मिक्स करके नाक पर लगाएं। नाक पर लगाकर मसाज करें और थोड़ी देर ऐसे ही छोड़ दें। अब नाक को ठंडे पानी के साथ धो दें। हफ्तेभर में इस नुस्खे को लगाकर इस्तेमाल करें। इससे काफी अच्छा परिणाम मिलेगा और नाक को परफैक्ट शेप मिलेगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एमएसके प्रसाद का खुलासा

धोनी ने कहा था 'एक पांव टूट भी जाता है तब भी पाकिस्तान के खिलाफ खेलूंगा'

चेन्नई। हाल में टीम इंडिया के सबसे सफल विकेटकीपर बल्लेबाज एमएस धोनी पर बयान देकर बुरी तरह फंसे टीम इंडिया के चीफ सलेक्टर एमएसके प्रसाद ने एक बार फिर धोनी को लेकर बयान दिया है। लेकिन इस बार प्रसाद का रूख कुछ बदला-बदला सा है। राष्ट्रीय चयनसमिति के अध्यक्ष एमएसके प्रसाद ने खुलासा करते हुए बताया, पिछले साल एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच से पहले महेंद्र सिंह धोनी चोटिल हो गये और यह तय लग रहा था कि वह नहीं खेल पाएंगे लेकिन तत्कालीन कप्तान की प्रतिबद्धता देखिये कि वह न सिर्फ मैच खेलने के लिये उतरे बल्कि उन्होंने इसमें जीत भी दर्ज की। प्रसाद ने एक कार्यक्रम में बताया कि यहां तक कि उनके स्थान पर दूसरे खिलाड़ी को तैयार रखा था लेकिन धोनी ने उनसे कहा कि वह चिंता नहीं करें क्योंकि अगर मेरा एक पांव टूट भी जाता है तब भी मैं पाकिस्तान के खिलाफ खेलूंगा। प्रसाद ने कल रात तमिलनाडु खेल पत्रकार संघ (टीएनएसजीए) के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान फरवरी 2016 में ढाका में खेले गये एशिया कप के दौरान घटी घटना का जिक्र किया जिससे धोनी के समर्पण और प्रतिबद्धता का पता चलता है। उन्होंने कहा कि मैच से दो दिन पहले धोनी चोटिल हो गये लेकिन उन्होंने टीम की अगुवाई की और उसे जीत दिलायी। प्रसाद ने कहा, देर रात जिम में अभ्यास करते हुए धोनी ने वजन उठाया और अचानक उनकी पीठ में दर्द हुआ और वह उस भारी वस्तु के साथ गिर गये। सौभाग्य से वह वस्तु उन पर नहीं गिरी। वह चल नहीं पा रहे थे। उन्हें स्ट्रेचर पर उठाना पड़ा।

वीरेंद्र सहवाग ने कहा-2019 विश्व कप तक टीम में कोई नहीं ले सकता धोनी की जगह

भले ही टीम इंडिया के सिलेक्टर अब तक यह तय न कर पाएं हों कि महेंद्र सिंह धोनी 2019 का विश्व कप खेलेंगे या नहीं, लेकिन पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने अपना रुख साफ कर दिया है। उनका कहना है कि अब तक टीम इंडिया में कोई ऐसा नहीं है जो महेंद्र सिंह धोनी की जगह ले सके। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि फिलहाल धोनी का कोई रिप्लेसमेंट है। ऋषभ पंत अच्छे हैं, लेकिन उन्हें भी धोनी की जगह लेने के लिए वक्त चाहिए। लेकिन यह 2019 के बाद ही हो सकता है। उसके बाद ही धोनी के उत्तराधिकारी के बारे में सोचा जाना चाहिए। तब तक पंत को अनुभव ले लेना चाहिए। सहवाग ने कहा, हमें इस बात की फिक्र नहीं करनी चाहिए कि धोनी रन बना रहे हैं या नहीं। क्रिकेट प्रेमियों को यह दुआ मांगनी चाहिए कि धोनी 2019 विश्व कप तक फिट रहें। सहवाग ने कहा, मिडिल और लोअर मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करने का धोनी के पास जो अनुभव है, वह किसी और के पास नहीं है।

दिनेश चांडीमल के अंगूठे में लगी चोट

वनडे सीरीज से हुए बाहर

पल्लेकल। टेस्ट के बाद वनडे सीरीज गंवाई, फिर कप्तान पर दो मैच का बैन और अब श्रीलंका के स्टार बल्लेबाज का चोटिल होकर बाहर होना बस यही बाकी रह गया था। भारत के खिलाफ रविवार को खेले गए तीसरे वनडे मैच में श्रीलंका के बल्लेबाज दिनेश चांडीमल को बल्लेबाजी के दौरान अंगूठे में चोट लग गई जिसकी वजह से वो वनडे सीरीज में बाकी बचे दो मैचों से बाहर हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि पांच मैचों की वनडे सीरीज के तीसरे मैच में भारत ने श्रीलंका को छह विकेट से मात देकर 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। श्रीलंका क्रिकेट ने एक मीडिया रिलीज जारी करते हुए कहा, श्रीलंका क्रिकेट ने ये साफ कर दिया है कि टेस्ट कप्तान दिनेश चांदीमल सीधे हाथ के अंगूठे में हेयरलाइन फ्रैक्चर की वजह से बाकी बची सीरीज से बाहर हो गए हैं। श्रीलंका के क्रिकेट बोर्ड ने अपने एक बयान में कहा कि चांडीमल अपनी चोट को कोलंबो में एक विशेषज्ञ को दिखाएंगे। तीसरे वनडे में चांडीमल उस समय 25 के स्कोर पर थे, जब हार्दिक पांड्या की गेंद का सामना करते हुए उनके दाएं अंगूठे पर चोट लग गई। हालांकि उन्होंने बल्लेबाजी करना जारी रखा। ऐसे में वह 36 के स्कोर पर हार्दिक की गेंद पर जसप्रीत बुमराह के हाथों कैच आउट हो गए। भारत के खिलाफ शुरू हुए इस दौरे में चांडीमल श्रीलंका टीम के एकमात्र बल्लेबाज नहीं हैं, जो चोटिल हुए हैं।

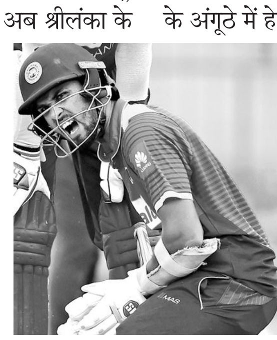

जब सिंधू का मैच देखकर 'साइना का पेट्रोल' हुआ खत्म

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधू भले ही विश्व चैंपियन बननवे से चूक गई हों, लेकिन उन्होंने विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में जापान की नोजोमी ओकुहारा को कांटे की टक्कर दी। इस चैपियनशिप में भारत ने महिला वर्ग में रजत और कांस्य पदक अपने नाम किया। रजत पीवी सिंधू को मिला तो कांस्य पदक साइना नेहवाल ने अपने नाम किया। सिंधू को तीन गेम तक चले मुकाबले में नोजोमी के हाथों 19-21, 22-20, 20-22 से मात मिली। सिंधू के इस मैराथन मुकाबले में उनकी साथी खिलाड़ी साइना नेहवाल ने कहा कि वह यह मैच देखकर ही थक गई थीं। वहीं, सिंधू ने इस मुकाबले में हार के बाद कहा, 'हर कोई स्वर्ण पदक जीतना चाहता है। आखिरी पलों ने सबकुछ बदल दिया।' आपको बता दें कि मैच के आखिरी पलों में सिंधू पर हावी थकान साफ देखी जा सकती थी और उनके दो रिटर्न्स नेट पर टकरा गए थे। अपनी जापानी प्रतिद्वंद्वी के मुकाबले काफी लंबी सिंधू को लंबी रैलियों में अपने बड़े शरीर का नुकसान भी उठाना पड़ा। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि शनिवार को हुए सेमीफाइनल मैच के बाद सिंधू रात के दो बजे सो सकी थीं और अगले दिन उन्हें फाइनल मैच खेलना था। इस वजह से भी उनपर थकान का असर था। इसी वजह से रविवार को वह कम ऊर्जावान लग रही थीं। यह पूरा मैच साइना ने रेलिंग के साथ खड़े होकर देखा था। लंबा मैच खत्म होने के बाद साइना कोच गोपीचंद के पास गईं और उनसे हिंदी में कहा, 'मेरा पेट्रोल खत्म हो गया देखते-देखते। गजब का मैच था।' इस मैच के बाद भारतीय खेमे का क्या आलम था, यह कोच गोपीचंद के मजाक से भी समझा जा सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

करीना की फिल्म में बॉलीवुड डेब्यू करेंगे क्यूट तैमूर

बॉलीवुड एक्ट्रैस करीना कपूर खान का बेटा तैमूर अभी से सेलीब्रिटी बन गया है। तैमूर आए दिन सुर्खियों में रहता है। तैमूर से जुड़ी एक खबर सामने आई है। करीना की कमबैक फिल्म 'वीरे दी वेडिंग' में तैमूर नजर आ सकते हैं। सूत्रों से पता चला है कि तैमूर का एक शॉट इस फिल्म में होगा और इसके लिए फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। बता दें कि चार दोस्तों की जिंदगी पर आधारित इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और फिल्म के लिए करीना जमकर जिम में पसीना भी बहा रही हैं। वीरे दी वेडिंग की टीम ने स्क्रिप्ट में बदलाव करते हुए करीना की प्रेग्नेंसी को भी स्क्रिप्ट में डालने का फैसला किया और इस तरह से तैमूर इस फिल्म का हिस्सा बनते नजर आ रहे हैं। खबर के मुताबिक 'वीरे दी वेडिंग' के मेकर्स एक्टर सुमित व्यास को लेने की बात कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि वो फिल्म में करीना के ब्वॉयफ्रेंड का रोल निभाते नजर आ सकते हैं। खबरों की मानें तो लंबे समय से इस बात पर चर्चा चल रही है और कुछ दिनों में ये फाइनल भी हो जाएगा।

'जोया फैक्टर' में काम करने को लेकर उत्साहित हैं सोनम

अभिनेत्री सोनम कपूर ने सोशल मीडिया ट्विटर पर पुष्टि की है कि वह अनुजा चौहान के उपन्यास ''दि जोया फैक्टर'' पर बन रही फिल्म में काम कर रही हैं। पिछले कुछ समय से इस फिल्म में सोनम के काम करने को लेकर अटकलें लगायी जा रही थीं। अब सोनम ने खुद इस बात की पुष्टि कर दी है कि वह इस फिल्म में काम कर रही हैं और इसके शुरु होने को लेकर उत्साहित हैं। सोनम ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''अनुजा चौहान के उपन्यास ''जोया फैक्टर'' में दो बहनों आरती शेट्टी और पूजा शेट्टी की अद्भुत जोड़ी और शानदार कलाकार अभिषेक शर्मा के साथ काम करने के लिए बेहद उत्साहित हूं।'' उल्लेखनीय है कि ''दि जोया फैक्टर'' एक महिला जोया सिंह सोलंकी की कहानी है, जो किसी विज्ञापन एजेंसी में काम करती है। वह भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एक भाग्यशाली बन जाती है जिससे उसे मिलने का मौका अपनी नौकरी के जरिये मिला था। इसी बीच सोनम वीरे दी वेडिंग'' की तैयारी में भी लगी हैं। इसमें करीना कपूर और स्वरा भास्करा भी काम कर रही हैं।

मीठी-मीठी बात नहीं कर सकती : इलियाना

बॉलीवुड अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज का कहना है कि वह फिल्म पाने के लिये लोगों से मीठी-मीठी बातें नहीं कर सकती। इलियाना का कहना है कि उन्हें फिल्में उनकी योग्यता से मिलती हैं और इसके लिए उन्हें लोगों से मीठी-मीठी बातें करने की आवश्यकता नहीं है,न ही काम पाने के लिए वह लोगों को प्रभावित करने की कोशिश करती हैं। इलियाना ने कहा,' लोग इसे अहंकार समझ सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। मैं लोगों के लिए अच्छी बन सकती हूं, उनके साथ कॉफी के लिए बाहर जा सकती हूं, डिनर कर सकती हूं, पार्टी में जाकर उनकी पसंद बन सकती हूं। लेकिन मैं यह सब नहीं करती। मैं फिल्में पाने के लिए लोगों से मीठी-मीठी बातें नहीं कर सकती।' इलियाना ने कहा,' ऐसी फिल्म में चुना जाना पसंद करती हूं जिसमें निर्देशक को लगे कि मैं किरदार के साथ न्याय करूंगी और मैं प्रतिभाशाली हूं। एक पेशेवर होने के नाते मैं चाहती हूं कि मेरे सभी को-स्टार्स, निर्देशक, निर्माता और सहकर्मी मेरे साथ काम करने में सहज महसूस करें।

मेरे फिल्मी सफर को आंकने का अधिकार नहीं : जैकलीन

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस को इस बात की चिंता नहीं है कि वे एक ही छवि में बंध सकती हैं। दरअसल हाल के दिनों में प्रदर्शित हुई फिल्मों में उनकी भूमिका ग्लैमरस रही है। उनका कहना है कि अपनी अभिनय क्षमता प्रदर्शित करने के लिए वह मुख्यधारा से इतर फिल्म नहीं करने वाली। जैकलीन ने कहा कि यह उनका सफर है और किसी को भी फिल्मों के मामले में उनकी पसंद पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैं मुख्यधारा से इतर फिल्म में काम नहीं करने वाली, वह भी सिर्फ इसलिए क्योंकि लोग मुझे ऐसा करने को कह रहे हैं। अभिनेत्री ने कहा की एक कलाकार के रूप में वह ऐसी चीजें चुनती हैं जिनके साथ वह न्याय कर सकें। जैकलीन की फिल्म 'ए जेंटलमैन' प्रदर्शित हो चुकी है।

बिना शूटिंग किए कपिल के शो से निकले मनोज तिवारी, जानें क्या है वजह?

कॉमेडियन कपिल शर्मा एक बार फिर सुर्खियों का हिस्सा बने हुए हैं। दरअसल, एक बार फिर कपिल शर्मा ने 'द कपिल शर्मा शो' का शूट कैंसिल कर दिया है। असल में जाने माने कलाकार, भोजपुरी एक्टर और राजनीतिज्ञ मनोज तिवारी कपिल के साथ एक स्पेशल एपिसोड शूट करने के लिए मुंबई गए थे, लेकिन वह वहां शूट नहीं कर पाए। एक खबर के मुताबिक मनोज तिवारी ने बताया, मैं वहां पूरा दिन कपिल शर्मा के साथ एक भोजपुरी स्पेशल एपिसोड शूट करने के लिए गया था लेकिन मुझे कपिल की तरफ एक कॉल आया जिसमें उन्होंने कहा कि वह शूट नहीं कर सकते। जब मनोज तिवारी से शूट कैंसिल करने का कारण पूछा गया तो उन्होंने कहा कि एपिसोड की शूटिंग वर्कर्स की चल रही हड़ताल के चलते कैंसिल करनी पड़ी है।

बता दें कि कुछ समय से मुंबई में सिने के कर्मचारी सैलरी में बढ़ोतरी की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। इस हड़ताल की वजह से फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री के काम पर बहुत असर पड़ा है।